

# भूत प्रेतों, ब्रह्मांड और परम्पराहियों के रहस्यमय किस्से



एन एन व्हीवी बुक्स

# भूत प्रेतों और पैरग्रहियों के रहस्यमय किस्से



लेखक

युवराज वर्मा



एन पॉकेट बुक्स

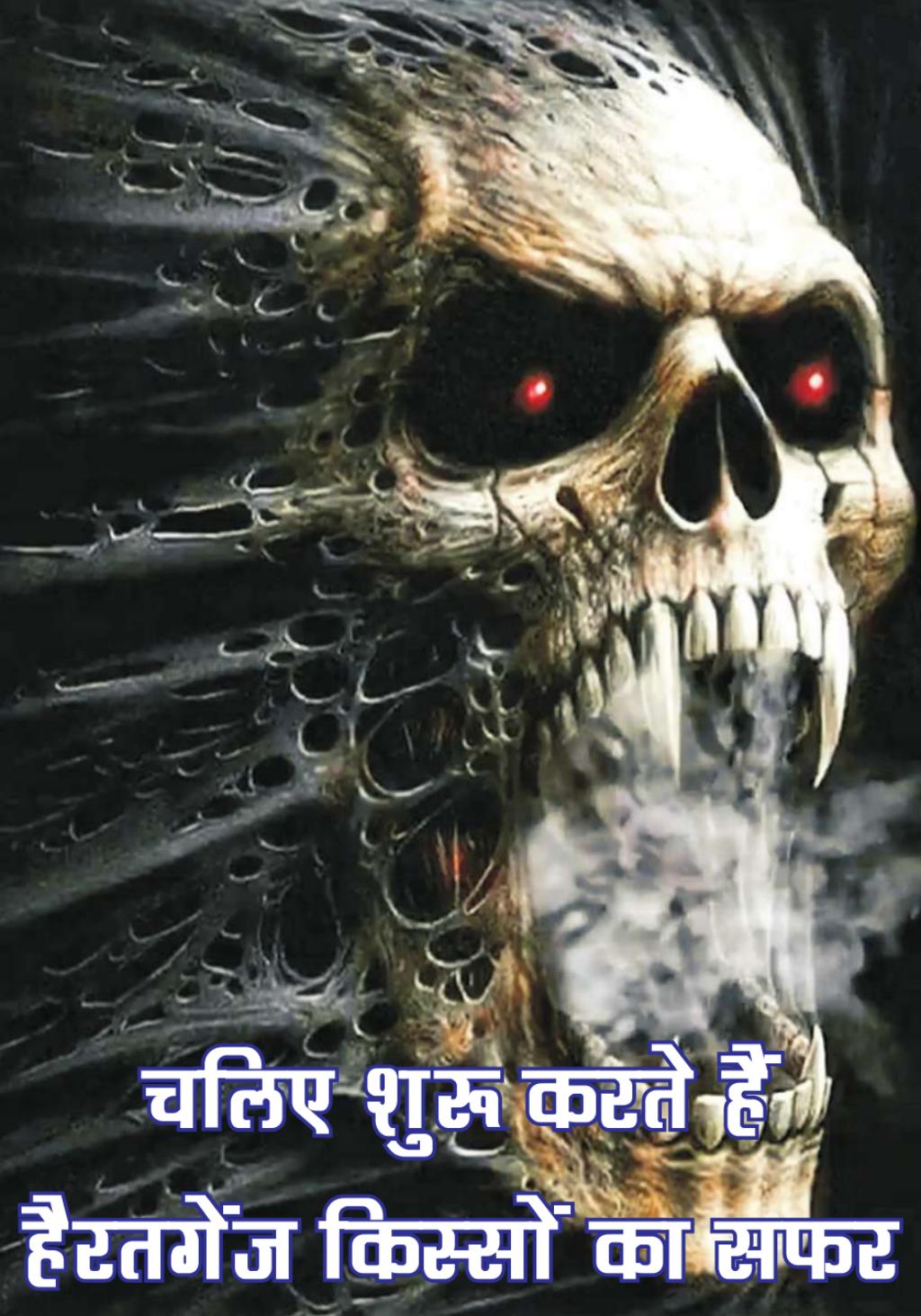
# घटना क्रम

दो विचित्र यान.....	01
अभिशप्त आईना.....	02
एक परग्रही.....	03
भूतहा होटल.....	05
मिल्ट्र के पिटामिडों के सहस्य.....	07
किले के भूत.....	09
वो घर जिसे कोई दबीद न सका.....	12
सहस्रमय बगीचा.....	14
भूतिया स्कूल.....	17
अनसुलझा बैकहोल.....	18
एक मानव जिसे याद है अपने पिछले 10 जन्म.....	21
परग्रहियों का यान.....	24
होटल बना उडनतश्तरी.....	26
जानवरों के भूत.....	28
बहस्फिये भूत.....	30
दूसरी दुनिया का दरवाजा.....	33
भूतिया टीवी.....	38
भूतों की सेना.....	41
समय यात्रा.....	43
भूत प्रेतों की उत्पत्ति कैसे हुई।.....	45

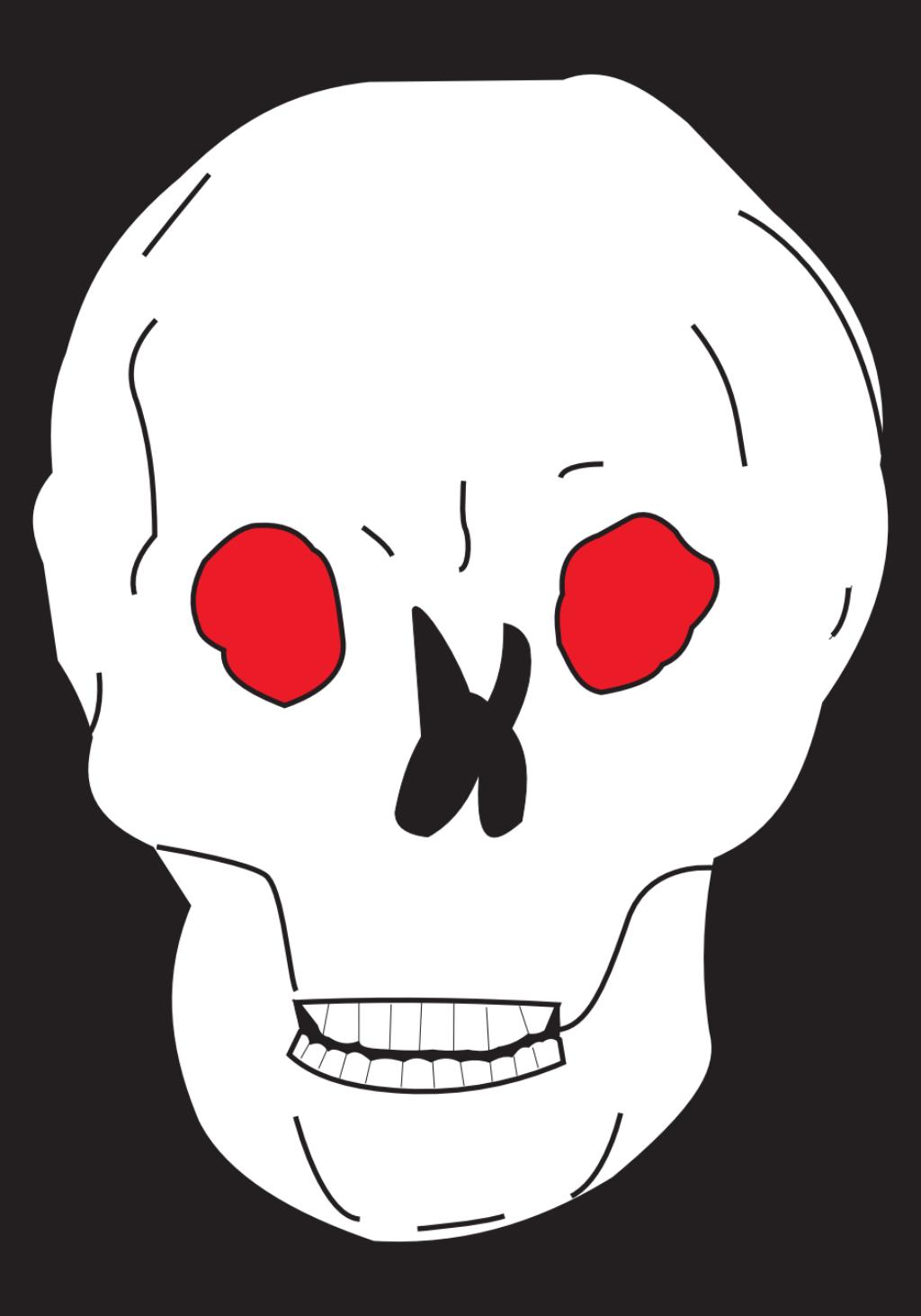


अंतरिक्ष से आए स्लिम्बनल किसके थे  .....	47
भूतिया पेटिंग.....	49
क्या है एंटीमैटर.....	51
परग्रही हमारे बीच में है?.....	54
परियों का वजूद है?.....	57
राजा जिसे पता ही नहीं लगा कि वो भूत बन चुका है।.....	60
भूतिया ऐलगाड़ी.....	62
रहस्यमयी डिब्बी.....	64
वो पहुँच गया दूसरी पृथ्वी पर.....	66
ब्रह्मांड कितना पुराना है?.....	70
परिवार ने हैरतगेज तरीके से की मात्महत्या.....	72
चुड़ैल का आतंक.....	75
तंत्र मंत्र क्या है?.....	77
भूतों का शहर.....	79
क्या जानवर भूतप्रेत को देख सकते हैं?.....	82
माया का संसार.....	84
क्या कॉमिक्स की कहानियाँ कात्पनिक होती हैं?.....	86
भविष्य का व्यूजपेपर.....	91
भूतिया ऑफिस.....	94

भूतों का हाइवे.....	97
पटगही मेहमान.....	99
जिन्दा पेंथिल.....	102
सर कटी चुड़ैल.....	104
हाटेड टेलिफोन.....	106
एक्सोटसिम.....	109
ब्रह्मांड से आए वो स्थिति किसके थे? .....	112
इच्छाधारी नागों का अस्तित्व.....	114
हम वास्तव में क्या हैं?.....	116
घर से आती रहस्यमय आवाजें.....	119
ब्रह्मांड में गहों व नक्षत्रों की दिल दहला देने वाली भयकर आवाजें.....	121

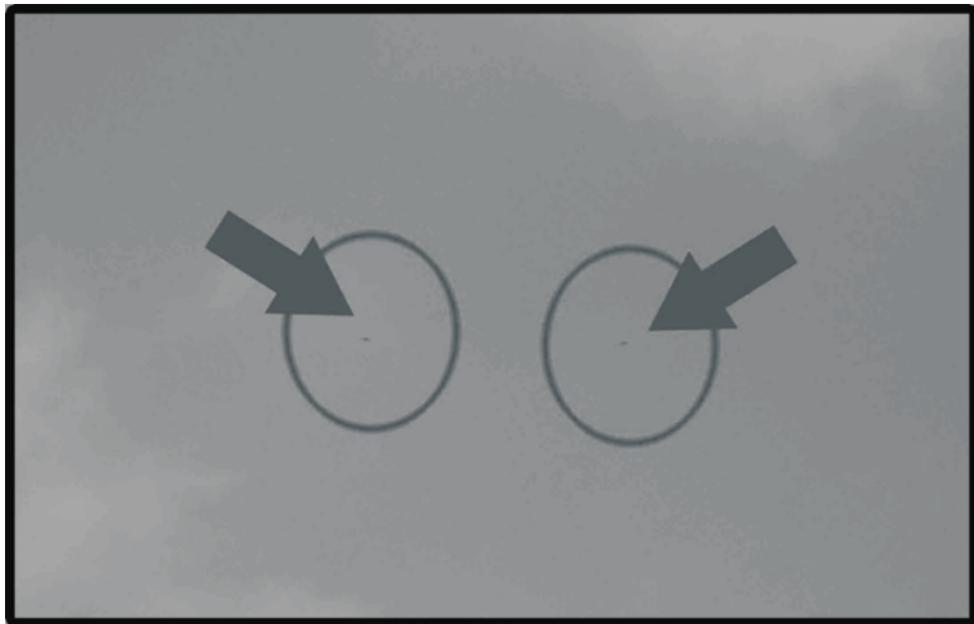


चलिए शुरू करते हैं  
हैटगेज किसों का सफर



# दो विचित्र यान

ये घटना 28 फरवरी 2012 की है। आसमान में दो विचित्र यान दिखाई पड़े। पहले तो लोगों को लगा कि हवाई जहाज है परन्तु जैसे-2 यान पास आये तो वे उड़नतश्तटी के आकार के दिख रहे थे। वे काफी देर तक आसमान में चक्कर काट रहे थे। लोगों के देखते-2 ही दोनों उड़नतश्तटी गायब हो गई। वहाँ की नौसेना ने जांच की। तो वे भी पता लगा नहीं पाये। स्थानीय लोग भी आश्चर्य में थे। आज भी रहस्य है।



आसमान में दो उड़नतश्तटियाँ

# अभिशप्त आईना

आपने आईने तो बहुत देवरे होगे परन्तु क्या आपने ऐसा आईना देवरवा है जिसमें दिवाने वाला आपका अक्स आईने से बाहर निकलकर आपको दबोच ले। जी हाँ ऐसी एक सच्ची घटना है जब एक दिन लीजा रोज की तरह अपना आईना साफ करने आई तो जो उसने देवरवा आईने में उसे वो कभी भूला नहीं पाई। उसने देवरवा कि उसका



अभिशप्त आईना

ऐसा ही एक किस्सा जूलिया के साथ हुआ। जूलिया को इस बंगले में आये कुछ ही महीने हुए थे। उसने ये बंगला किटाये पर लिया था। एक दिन वो इसी आईने के आगे अपने बाल संवार रही थी कि उसने देवरवा कि उसका अक्स सीधा टपड़ा उसे धूर रहा था। ये देवरवते ही उसे ऐसा आश्चर्य लगा वो वहीं बेहोश हो गई। होश में आने पर उसने उस आईने को बाहर फेंकना चाहा तो फिर उसके अक्स ने उसे कहा—यहाँ से चली जाओ। उसके बाद जूलिया वहाँ न स्की। बाद कई लोगों के साथ ये वाक्या हुआ और अब उस बंगले और अभिशप्त आईने के पास कोई नहीं फटकता। उस आईने का राज आज भी एक राज है।

# एक परग्रही

ये घटना बड़ी विचित्र है प्रो बैबोट घट में सो रहे थे कि अचानक बहुत तेज दोशनी उनकी आँखों में पड़ी। उन्होंने उठकर देखा तो आसमान से एक विशाल चपटा



उसकी आँखें भी बड़ी थीं। वो जीव प्रो बैबोट की तरफ बढ़ा और कुछ अजीब सी भाशा में बोलने लगा। प्रो बैबोट कुछ समझ नहीं पाये कि वो जीव क्या कहना चाहता है। फिर वो परग्रही अपने यान के अंदर गया फिर कुछ देर बाद बाहर निकला। उसके हाथ में एक अजीब सी मशीन थी। उसने उस मशीन से जमीन में एक गोलाकार निशान बनाया और फिर उसने अपने पैर से उस मिट्टी का उड़ा दिया और फिर अपने यान में बैठकर चला गया। प्रो बैबोट

इसे उनका एक डरावना सपना समझा। परन्तु प्रो बैबोट ने उन्हें समझाना चाहा कि वो एक सपना नहीं हकीकत है। वो उन्हें उस जगह ले गये जहाँ उस परग्रही का यान उत्तरा था। उस जगह पर उस यान के निशान अभी तक बने हुए थे। और उस परग्रही ने जो निशान बनाया था वो भी थोड़ा मिटा हुआ सा बना हुआ था। उसके मित्र भी आश्चर्य चकित थे। ये आज तक रहस्य है कि उस परग्रही के आने का क्या मकसद था। वो क्या बताना चाहता था। इनके उत्तर अभी तक नहीं मिल पाये हैं।



# भूतहा होटल

ये घटना सन् 1990 की स्मानिया स्थान की है। एक कॉलेज की बस पिक्निक मनाने के लिए प्लेहाउस जा रही थी। तभी उनकी बस रास्ते में ही अचानक एक होटल के सामने स्कर्फ गई। वो बस काफी समय तक ठीक नहीं हुई तो सब उस होटल की ओर चले गये। उनसे सबने निश्चय किया कि वे पिक्निक इसी होटल में मनायेगें। उन्होंने होटल के कमरे बुक किये और रात का वक्त हो रहा था। सब सो गये। तभी रात में होटल के गलियारे में किसी के रोने के आवाज आने लगी। सबकी नीद रवृल गई। सब देखने लगे कि कौन दो रहा है। पर तभी हँसने की आवाज आने लगी और आवाज भी ऐसी जैसी हॉरर फिल्मों में आती है। कुछ लोग भयभीत हो गये। तभी कमरों के दरवाजे अपने आप रवृलने व बंद होने लगे। सब समझ गये कि ये

भूत हा हा होटल है।

सभी होटल के मेनेजर के कमरे की तरफ गये तो वहाँ देखते हैं मेनेजर है ही नहीं और मेनेजर की फोटो पर हार चढ़ा हुआ था। सभी हैरान थे कि जिसने कमरे बुक किये थे वो कौन था। सभी होटल से बाहर भागे तो एक



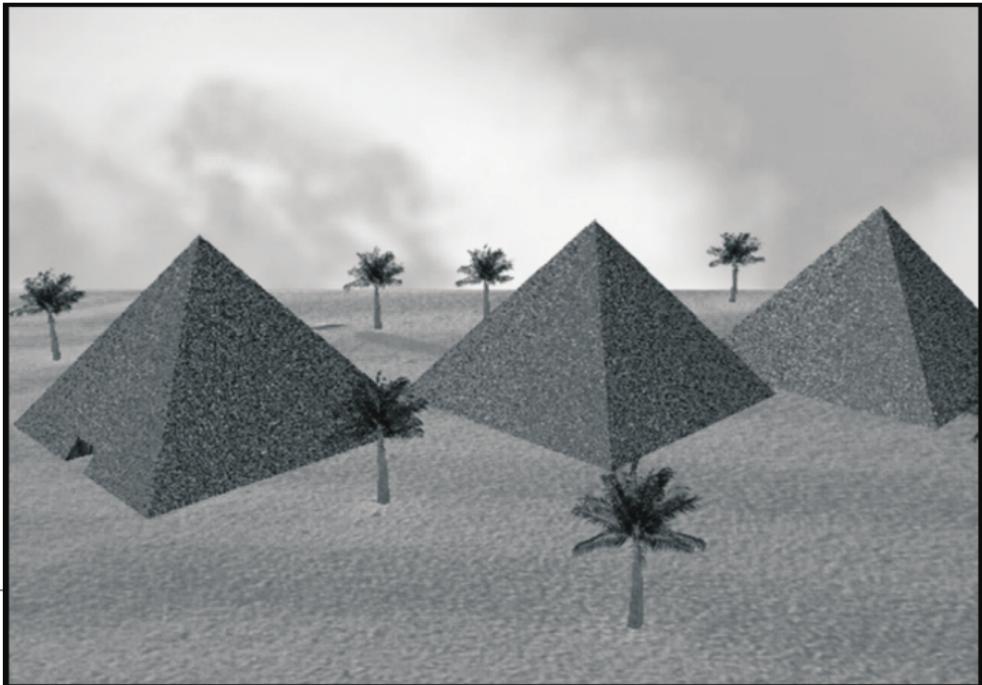
स्थानिया का भूतहा होटल जहाँ

कॉलेज स्टूडेंस की जान आफत में पड़ गई थी।

डरावनी दाँस्ता सुनी तो वे समझ गये कि वो उसी डरावने भूतहा होटल में चले गये थे। तब वहाँ के लोगों ने उन्हें बताया कि वो होटल पहले बहुत फेमस था एक दिन उस होटल में आग लग गई तथा उसमें में रह रहे लोग जल रहे थे और उस होटल की आग से बचने के लिए लोग छत से कूद गये क्योंकि वहाँ समय पर फायर ब्रिगेड नहीं पहुँच सकी और लोग वहीं आग में जल गये। तभी से उनकी आत्माएँ वहाँ भटकती हैं। रोज रात वह ऐसी आवाजे आती हैं इसलिए वहाँ कोई नहीं जाता। तब स्टूडेंस वहाँ क्सबे में रात गुजारी और सुबह होते ही अपने शहर चले गये। और वो भूतहा होटल आज भी अपनी जगह पर है अपनी डरावनी रातों के साथ।

# मिस्त्र के पिरामिडों के रहस्य

मिस्त्र के पिरामिड अपने आप में कई रहस्य समेटे हुए हैं। कई घटनाएँ पिरामिडों के अंदर हुईं जो आज तक नहीं सुलझ पाईं। मिस्त्री फराओं के श्राप से ग्रसित पिरामिड जिसमें जो भी गया वो वापस बाहर निकल कर नहीं आया। पिरामिड के उपर देखी गई उड़नतश्तरियाँ। क्या इनका संबंध है पिरामिडों से। तूतेन रवामेन का मुरवौटा। क्या रहस्य है इस मुरवौटे का। क्या ये वाकई श्रापित हैं। पिरामिडों की दीवारों पर लिखी गई लिखावट आदिवर क्या कहना चाहती हैं। ये भूतकाल या भविष्य की



मिस्त्र के रहस्यमयी पिरामिड

की ओट क्या-2 कहना चाहती है। क्या पिरामिडों का भूत-प्रेतों से कोई नाता है। कई भूत-प्रेत घटनाएँ यहाँ सुनने में आई। कई लोगों ने यहाँ आत्माओं को देखने का दावा किया है। पिरामिड बाहर से तो त्रिकोण दिखते हैं लेकिन अंदर से पूरे भूलभूलैया है। इनके अंदर की रहस्यों की गहराई तक कोई नहीं पहुंच पाया है।



# किले के भूत



हैट्टन का भूतहा किलाऊजहाँ के भूतों ने  
किसी को भी अंदर नहीं आने दिया।

हैट्टन में बसा ये किला कोई साधारण किला नहीं है। इस किले में कई भूतों का वास है। यहाँ कई पर्यटक आए और उन्हे एहसास हुआ कि जैसे कोई अज्ञात शक्ति उन्हें किले से बाहर दरवेश रही है। कुछ लोगों ने वहाँ भयानक चेहरे वाले भूतों-प्रेतों को भी देखने का दावा किया है।

ईवा जो कि कैलाफोनिया की थी। जब यहाँ आई तो उन्हे ये किला देखने में बहुत अच्छा लगा। जब वो अंदर जाने लगी तो उन्हे किसी ने पीछे से आवाज लगाई। और कहा—‘लक जाओ।’ उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो कोई नहीं था। वो फिर अंदर जाने लगी तो उन्हे फिर जब



दो भयानक प्रेतों के दुर्लभ चित्र

पीछे से आवाज आई। इस बार ईवा ने जो देवता उसके बाद वो अपने होश कायम नहीं रख सकी। उसने देवता कि दो भयानक विकराल मुरवों वाले प्रेत उसे खकने को कह दहे थे। उनकी आँखों से रवून बह रहा था। उनके नुकीले नारवून भी काफी बड़े और पैने थे।

ऐसी ही कई लोगों ने उन प्रेतों को देवतने का दावा किया है। मिस्टर फैंक बताते हैं कि जब वो यहाँ आये थे तो उन्हे भी ये प्रेत दिवार्ड दिये थे। लेकिन उन्होंने इसे आँखों का घोरवा समझकर अंदर जाने के लिए आगे बढ़ गये। परन्तु उन प्रेतों ने उन्हे बाहर फैंक दिया। इसके बाद वो वहीं से भाग लिए। आटिवर क्या रहस्य था कि वो भयानक प्रेत किसी को अंदर नहीं आने देते थे। वहाँ के पास के ऐसिये में रहने वाले बताते हैं कि ये दोनों एक सैनिक थे। ये दोनों किले के मुरव्वे दरवाजे पर रहकर किसी भी अजनबी को अंदर आने से रोकते थे।

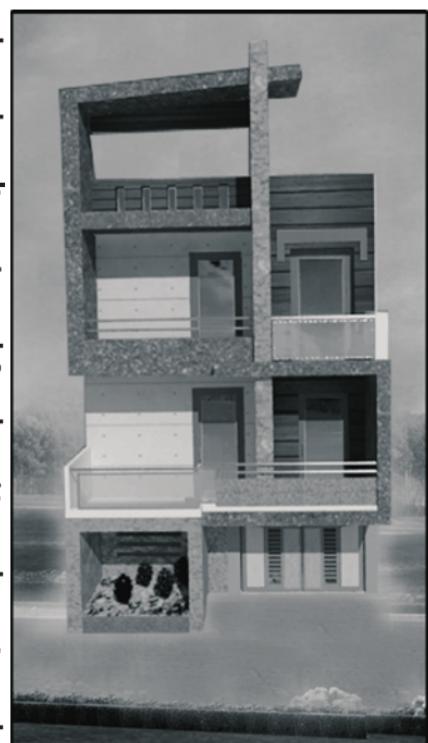
एक दिन दुश्मन ने किले पर आक्रमण कर दिया। ये दोनों  
किले के अंदर आने से रोकने के लिए लड़ते-2 मर  
गये। तभी से इनकी आत्माएं इस किले की रक्षा करती  
है। हर अजनबी को रोकती है। तभी कोई इस किले की तरफ  
कोई नहीं आता है।



# वो घर जिसे कोई रवरीद न सका

जी हाँ कोई नहीं रवरीद सका इस घर को और जिसने भी रवरीदा वो इस घर में पहले दिन आकर अगली सुबह का सूरज नहीं देख सका। डल्लास में बसा ये घर दिवाने में आलीशान दिवता है लेकिन इसके अंदर हर रात होता है बहने थीं। दोनों इस घर में 25

वर्ष से रह रही थीं। इनके नाम मिला व किस्टा था। इनके पास किसी भी चीज की कमी नहीं थी। एक रात की बात है जब ये दोनों बहने सोने की तैयारी कर रही थीं। तो दरवाजे पर किसी की दस्तक हुई। किस्टा घबरा गई और अचानक बिजली भी चली गई। मिला ने किस्टा को समझाया और वो नीचे गेट रखोलने गई। उसने पूछा कि कौन है। तो आवाज नहीं आई। तो रिवड़की से झाकने लगी तो एक चाकू का वार हुआ। रिवड़की तोड़कर और किस्टा की गर्दन कट गई। उधर मिला ने दरवाजा बंद किया हर्टर्ट की आवाज से



क्यूनियस हाउस जहाँ रोज रात  
मचता है भूतों का आतंक

हुआ थातभी वहाँ दरवाजा दरटदरवटाया किली ने तो मिला  
घबरा गई। तभी दरवाजे के नीचे से रवून बहता दिरवा तो  
मिला पीछे हट गई। तभी दरवाजा टूटा औं वो भी माटी  
गई। बताया जाता है कि ये रवून एक जेल से भागे कातिल  
ने किये थे केवल अपनी सनक के कारण।                   और ये  
घटना रात को बारह बजे हुई थी। आज भी उन दोनों का  
प्रेत इस क्यूनियस हाउस में भटकता है। मिला की सर कटी  
प्रेत आत्मा उस घर में रोज रात ठहरने वाले को अपना  
शिकार बना लेती है। यही घटना हर रोज रात को घटती है  
जो उस दिन घटी थी। कोई इस घर में रात को नहीं ठहर  
सकता। इस घर को तोड़ने का कोशिश की गई जिसने ये  
कोशिश की वो अपने आप ही ब्रेन हैमरेज का शिकार  
होकर मर गया। ये भूतहा घर आज भी दरड़ा है अपनी  
रवौफनाक रातों के साथ।



# रहस्यमय बगीचा

आपने बगीचे तो बहुत देखवे हांगे लेकिन आपने क्या आप ऐसे बगीचे मे गये है जहाँ आपको ऐसा कुछ दिखवे जो आपने अपनी जिन्दगी मे कभी न देखवा हो। जी हाँ हवाई मे बसा ये बगीचा दिखवने मे तो साधारण सा है लेकिन बहुत रहस्यमय है। यहाँ कई लोग इसे देखवने आते हैं। इनमे आये हुए लोगों ने यहाँ कुछ रहस्यमय देखवा है। फोटोग्राफर एनन बताते हैं कि वे यहाँ कुछ फोटो ले रहे थे तभी उन्हें कैमरे मे एक हवा मे घूमती हुई एक लड़की दिखवाई दी



यही है चो बगीचा जहाँ दिखते हैं रहस्यमय लोग और वस्तुएं

थी। वो बच्ची को दवाना दिवला रही थी तभी वो देरवती हैं कि एक बॉल अपने आप उछलती हुई आ रही है वो बॉल ऐसे उछल रही थी जैसे कोई उसके साथ दवेल रहा हो। फिर वो बॉल अपने आप गायब हो गई। मैलिना ये देरवकर हैरान हो गई।

एक घटना तो इससे भी जबरदस्त हुई भिस्टर स्मिथ के साथ। जब वे इस बगीचे में जागिंग कर रहे थे तो उन्हें दो पेड़ चलते हुए उनकी ओर आ रहे थे। वे हैरान हो गये पेड़ चल कैसे रहे हैं। पहले तो उन्हें आरवों का धोरवा लगा लेकिन दुबारा देरवा तो पेड़ चल रहे थे। फिर पेड़ अपने आप ठहरे और जड़े जमीन में धास गई और पेड़ फिर से दवड़े हो गये। ये वाक्ये सुनने में बड़े अजीब लगे परन्तु ऐसी घटनाएँ उस बगीचे में हो रही थीं। इन घटनाओं का कारण क्या था ये भी पता नहीं लग पाया। पुरातत्ववेताओं ने यहाँ की जाँच की लेकिन उन्हें यहाँ कोई ऐसा निशान या कोई टोटका नहीं मिला। न यहाँ ऐसी कोई घटना हुई कि किसी की प्रेतआत्मा भटक रही हो। फिर इन सब घटनाओं का क्या मतलब है या इस बगीचे से क्या संबंध है। इस रहस्य से पर्दा नहीं उठ पाया है।

बगीचे में कुछ अजीब सी भाषा में लिखा हुआ था। देवने में कोई कविता लग रही थी। अलबर्ट घबरा कर वहाँ से भाग गये। उनके अनुसार इस बगीचे की घटनाएँ उस प्राणी अनुसार घटती हैं जो इसमें आता है। अगर ऐसा है भी तो ये घटनाएँ हर के साथ क्यों नहीं होती किसी 2 के साथ क्यों हो रही है। लोगों का कहना है कि ये काम परग्हियों का है। फिलहाल इस बगीचे को बंद कर दिया गया है परन्तु लवाल वही है कि क्या है ये दहस्यमय बगीचा।



# भूतिया स्कूल

स्कूल में तो सभी पढ़ने जाते हैं पर एक स्कूल ऐसा है जहाँ भूत पढ़ने आते हैं। जी हाँ इग्लैंड के हैम्पटन शहर में एक स्कूल है सैंट फारिस्सो के स्कूल। इस स्कूल में दोज रात को तरह तरह की आवाजें आती हैं क्लासों के अंदर सोचहाँ के चौकीदार टोम ने बताया है कि दोज रात को क्लास में पढ़ाने की आवाज आती है जैसे वहाँ कोई पढ़ा रहा हो। हर क्लास से आवाज आ रही होती है। जब टोम क्लास में जाता है तो वहाँ कोई नहीं दिखाई देता है। कभी कभी आवाजें इतनी भयानक होती हैं कि टोम को स्कूल से भागना पड़ा है।

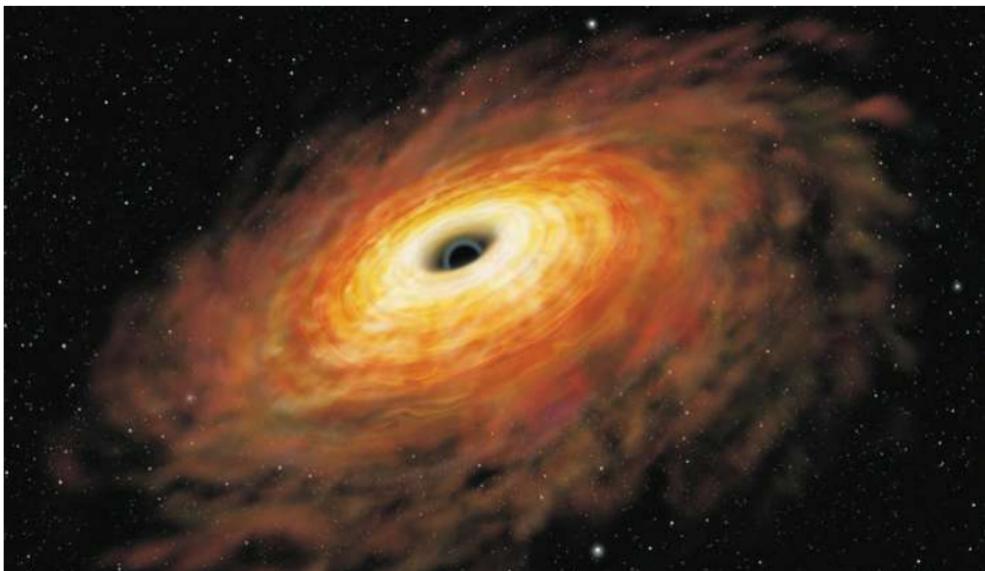
स्कूल से ऐसी भयानक आवाजें आने का क्या कारण है यै किसी की समझ में अभी तक नहीं आया है। क्योंकि वहाँ न तो कोई ऐसा हुआ है कि किसी बच्चे की जान गई हो और न उस जगह किसी ने आत्महत्या की है कि जिसकी वजह से वहाँ किसी की आत्मा भटके। फिर भी वहाँ आत्माएँ भटकती हैं और दिन में शांत व सामन्य दिखने वाला स्कूल रात में क्यों इतना भयानक हो जाता है ये आज भी वहाँ के लोगों के लिए एक राज बना हुआ है। पुरातत्व विभाग के लोगों ने भी वहाँ जाँच पड़ताल की है पर वो भी किसी नतीजे तक नहीं पहुँच पाए हैं। उस जगह का इतिहास भी ऐसा नहीं है। फिर उस स्कूल के भूतहा होने का कारण क्या है? क्यों वहाँ भूतहा आवाजें आती हैं? वहाँ दिन में स्कूल चलता तो है पर फिर भी एक खौफ का माहौल होता है वहाँ के बच्चों और शिक्षकों में।

स्कूल के आसपास रहने वाले लोग इस भयानक डर की वजह से अपने बच्चों का एडमिशन दूसरे स्कूल में करवा चुके हैं। जब लोग सुबह स्कूल जाते हैं तो उन्हें स्कूल की दीवारें पर और ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाई से संबंधित काम लिखा हुआ दिखाई देता है और दहशत का माहौल तो उस वक्त और भी ज्यादा हो जाता है जब वहाँ उन्हें दीवारों पर खून के धब्बे दिखाई देते हैं। खून वाले उन कमरों पर कई पर ताले लग चुके हैं और कुछ कमरों में ही पढ़ाई होती है हालांकि वहाँ अभी तक किसी की जान नहीं गई है पर फिर भी वहाँ लोग उस स्कूल की वजह से दहशत में हैं।



# अनसुलझा ब्लैकहोल

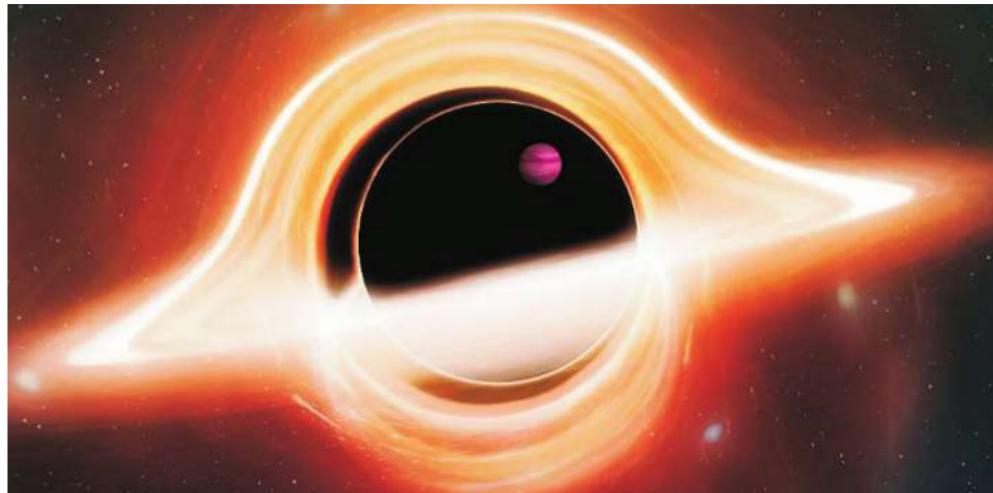
ब्रह्मांड अनेक रहस्यों से भरा है। इतने रहस्य औट ऐसे ऐसे रहस्य कि जिनके बारे में या तो हम जानते हैं या हम नहीं जानते। औट ये दोनों तरह से हमें दोमाचिंत कर देती हैं। ब्लैकहोल जिसे ब्रह्मांड का महादानव कहा जाता है। हर चीज को अपने अंदर



## अनसुलझे ब्लैकहोल की कहानी

समा लेता है। उससे प्रकाश भी नहीं बच सकता है। हर चीज को अपने अंदर चाहे वो गह हो या तारा या सौरमंडल हो या अकाशगंगा सब कुछ उसमें समा जाता है। ब्लैकहोल का गुरुत्वाकर्षण इतना जबरदस्त होता है कि वो हर चीज को अणु में बदल देता है। इस वजह से हम इस जगह पर हम जीवन की कत्पना भी नहीं कर सकते। पर ये ब्रह्मांड हमारी सोच से भी कहीं भी रहस्यनय है। ब्रह्मांड में एक ऐसा भी ब्लैकहोल है जिसके इंवेट होटिजन में एक गह मौजूद है जिसमें जीवन मौजूद है। औट उस गह की ग्रेविटी ब्लैकहोल जितनी शक्तिशाली है जिसकी वजह से वहाँ जीवन है। ये बात सुनने में आश्चर्यजनक लगती है परंतु ब्रह्मांड हमारी सोच से भी

आगे है। प्रोफेसर वर्मा की इस खोज ने 1987 में पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। ब्लैकहोल के अंदर जीवन बहुत ही भिन्न था उसमें रहने वाले जीवों का शरीर बहुत ही उच्च घनत्व का था। घनत्व इतना ज्यादा कि वो हमारे ग्रह पर कदम रखा देते तो उनके एक कदम रखते ही पूरी घटती एटम में विषाट जाती क्योंकि खुद ब्लैकहोल का घनत्व ही उच्च कोटि का है। लेकिन सबसे बड़ा आश्चर्य ही वैज्ञानिकों के लिए यह बन गया कि ब्लैकहोल में जीवन है। अब तक की सारी श्योटी ही बदल दी इस धारणा ने। यह जानने के बाद भी उस ब्लैकहोल में जाकर इस बात की छानबीन करना ही मनुष्यों के लिए असम्भव है। क्योंकि



## ब्लैकहोल के अंदर उपस्थित ग्रह NIK0511

घटती पर कोई ऐसी तकनीक ही नहीं है जो हमें उस ब्लैकहोल के इंवेट होटिजन में ले जा सके क्योंकि उसमें जाते ही हट चीज अणुओं में बदल जायेगी। लेकिन फिट भी हम मानवों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा है। आगे आने वाले भविष्य में हमें ऐसी तकनीक जरूर यिलेगी जिससे हम उस ब्लैकहोल के इंवेट हीटिजन में जाकर उस ग्रह का पता लगा सकेंगे। और इससे हमें बहुमांड के कई रहस्य भी पता लगें। ब्लैकहोल बहुमांड का महादपनव माना जाता है। इसे कृष्ण विविट भी कहते हैं। और इसमें बहुमांड के कई उत्पत्ति और रहस्य भी छुपे हैं। इसमें जीवन का यिलना भी एक अदम्य बात है। हालांकि कई वैज्ञानिक इसे पूरी तरह से सत्य नहीं मान रहे हैं। परन्तु इसे पूरी तरह से नकारा भी नहीं जा सकता। ये बात अब भविष्य के गर्त में छिपी है उस ग्रह तक हम कैसे और कब व

किस तरह पहुंचेंगे। और वहाँ के लोग भी यहाँ के बारे में जानते होंगे क्या? ? और अगर जानते भी होंगे तो वो यहाँ आने की सोच रहे होंगे और अगर वो यहाँ आ गये तो उनके उच्च धनत्व से यहाँ की घटती को खतरा नहीं पहुंचेगा या नहीं? ?

फिलहाल तो ये एक रहस्य बना हुआ है और इस सवाल का जवाब आगे आने वाला वक्त ही बतायेगा कि क्या है ब्लैकहोल और क्या है उसमें बसी दुनिया। हम केवल इंतजार ही कर सकते हैं।



# एक मानव जिसे याद है अपने पिछले 10 जन्म

हमने पुनर्जन्म की कई घटनाएँ सुनी होगी जिसमें मानव को अपना पिछला जन्म याद आया होगा और उसने उस जन्म के बारे में कई बातें भी बताई होगी। लेकिन किसी मानव को अपने पिछले दस जन्म याद हों। जी हाँ पिछले दस जन्म एक नहीं दो नहीं पूरे दस जन्म। ये व्यक्ति है अमेरिका का रहने वाला निकोलियस जिसका पूरा परिवार उसकी दस जन्म की कहानियाँ सुनकर हैरान है। उसे अपने निछले दस जन्म के किस्से पता है। तो आइये हम भी जानते हैं कि उसके दस जन्म के काहानी किस्से जो निम्न प्रकार हैं।

१. निकोलियस बताता है कि वो अपने पहले जन्म में एक सुनार का बेटा था और वो टोम में पैदा हुआ था। उस जन्म में उसका नाम हैन्ला था वो पढ़ाई में बहुत होशियार था। और वह लोंगो की बहुत मदद करता था। इसलिए वो सबका चहेता था और सब उसे चाहते भी थे। लेकिन दुर्भाग्य से उसकी एक पहाड़ी से पैर फिसलने से उसकी मृत्यु हो गई थी।

२. निकोलियस बताता है कि वो अपने दूसरे जन्म में इटली के एक गाँव में पैदा हुआ था। उसका नाम अब्बूशेख था। उस जन्म में भी वो बहुत मेहनती था और उसकी एक बेगम व चाट बेटे थे। उसका परिवार खूब खुशहाली से भरा था। पर वक्त की माट के आगे किसकी चली है एक दुर्घटना ने उससे उसका बड़ा बेटा छीन लिया। और उसका सदमा वो बर्दाशत नहीं कर सका और दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई।

३. अपने तीसरे जन्म में वो अमेरिका में ही एक सैनिक परिवार में पैदा हुआ था। उसका नाम डेविड स्टार्क था और उस परिवार में वो अपने पिता की तरह एक सैनिक बना था और कई बार देश के दुश्मनों को टककर दी थी। उसे कई बार वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। लेकिन एक बार उसके अपने साथी ने उससे गददारी करके उसे दुश्मन मरवा दिया था। उसका नाम हेलिक्स था।

बाद में वो भी मारा गया था जब उसकी गददारी का अमेरिकी फौज को पता चला था।

४. आगे बताता है कि वो अपने चौथे जन्म में भारत में एक छाहमण पटिवार में पैदा हुआ था। उसके पिता मंदिर में एक पुजारी थे। वहीं मैं उनके साथ मंदिर में सेवा करता था और मेरी एक पत्नी और बच्चे भी थे उस जन्म में मैं काफी लम्बी आयु जिया था। ४७ वर्ष की उम्र में ढेर है मेरेज की वजह से मेरा निधन हो गया था।

५. निकोलियस अपने पाँचवे जन्म के बारे में बताते हैं कि तब उनका जन्म अलास्का में हुआ था जहाँ वे एक फारेस्ट आफिसर थे। जंगल में डयूटी होती थी। उस जन्म में मेरा नाम आर्थर था। एक दिन जंगल में डयूटी देते समय मेरी शेर के काटण मृत्यु हो गई थी।

६. मेरा अगले जन्म में मैं एक शेर के रूप में जन्मा। और शेर के रूप में शिकार करते हुए गोली लगने से मेरी मौत ही गई थी।

७. अगला जन्म मेरा फॉस में एक शिकारी के रूप में हुआ। पर उस जन्म में मैंने शिकार करना छोड़ दिया था। मेरी अपनी एक दुकान थी और मैं वहाँ सारा काम देखता था। एक दिन मेरी दुकान में लूट मच गई और मेरी सारी दुकान लूट गई। पर फिर भी मैंने हिम्मत नहीं हारी और अपना एक नया काम शुरू किया। फिर काफी लम्बी उम्र के बाद मेरा कैसर की वजह से निधन हो गया।

८. मेरा आठवाँ जन्म एक गरीब पटिवार में हुआ था जहाँ मेरा नाम रोनिन था। मैं अफीका में पैदा हुआ था। उस समय मैं अपने पटिवार के साथ खोती करके अपना जीवन चलाते थे। मैंने खोती के साथ पढ़ाई भी की और एक सरकारी पद पर आसीन था। उस जन्म में मैं खुशहाली के साथ जिया और एक दिल सुबह सुबह जागिंग करते हुए अचानक मेरी मौत हो गई।

९. मेरा नौवाँ जन्म भरत में एक मुगल पटिवार में हुआ था। वहाँ मैं अकबर के शासनकाल में एक सैनिक था। मेरे काम से खुश होकर मुझे कई बार सत्तानित भी किया गया था। मैंने मुगल सम्राट अकबर के साथ कई युद्ध किये थे। उस जन्म में मेरी मौत अकबर और महाराणा प्रताप के युद्ध में लडते हुए हो गई थी।

१० मेरा दसवाँ जन्म एक इटली के एक पटिवार में हुआ था। उस जन्म में मेरा नाम यूसूफ खान था। मैं एक व्यापारी था। मेरा फलों और सब्जियों का आयात निर्यात करता था। मैं दुनिया के कई देशों में घूमना होता था। मेरा व्यापार खूब फूला फला था। लेकिन एक दिन मैं एक जहाज में सफर कर रहा था तब मेरा जहाज एक तूफान में फूस गया था और उस भयानक तूफान में निकलने का कोई रास्ता नहीं था और उस तूफान में मेरा जहाज डूब गया और मेरी मौत हो गई।

ये थी निकोलिया के पिछले दस जन्म की कहानियाँ। जिसे जानकर आज भी लोग हैटान हो जाते हैं। लोगों को ये कहानियाँ काल्पनिक सी लगती हैं परं ये एक हकीकत हैं जिस पर यकीन करना मुश्किल लगता है। आज की साइंस भी पुर्नजन्म में विश्वास नहीं करती है किन्तु अगर पुर्नजन्म असत्य है तो ये इतने प्रमाण कहाँ से आ गये। कहीं न कहीं तो पुर्नजन्म का कोई आधार है और एक न एक दिन इस रहस्य से पर्दा ज़खर उठेगा।



# परग्रहियों का यान

ये बात आज से 30 साल पुरानी यानि 1990 की है जब अमेरिका के अमेजन फारेस्ट में एक परग्रहीयान देख गया था। यान गोल न होकर अलग ढंग



## विचित्र यान

बना हुआ था। उस समय की जानकारी के अनुसार कोई दूसरा अमेरिकी यान वहाँ आसपास आसमान में मौजूद नहीं था। तो फिर ये यान कहाँ से आया

वो यान आसमान में काफी देर तक रहता हुआ था  
और उसके अंदर से एक लाइट निकली जो जमीन पर  
पड़ी और उस पर एक आकृति बनने लगी। और उस  
आकृति को बनाने के बाद वो अंतरिक्ष यान वहाँ से  
बहुत तेजी से गायब हो गया। उस घटना के गवाह  
थोमस बताते हैं कि वो परग्रही यान काफी बड़ा था  
और वो देखते देखते कानूनी तेजी से गायब हो गया था।  
उस यान ने घटती पर एक विचित्र सी आकृति बनाई  
थी। थोमस की बात सुनकर उस आकृति की जाँच की  
गई तो देखा गया कि उस आकृति में एक विचित्र  
संकेत छुपा था जो आजतक हल नहीं हो  
पाया। आखिर क्या संकेत था उसमें? ? दुनियाभर में  
दिखी खोतों में अनेक विचित्र आकृतियाँ क्या ये  
संकेत करना चाहती हैं कि एलियन हमसे कुछ कहना  
चाहते हैं पर क्या? ? ये आज भी एक राज है। पर इन  
किस्सों से एक बात तो सामने आती है कि जैसे हम  
परग्रही सभ्यता को ढूढ़ने में लगे हैं वैसे ही परग्रही  
भी हमें ढूढ़ने लगे हैं और एक दिन हम मिल जायें।

# होटल बना उडनतृती

---

ये एक ऐसी घटना है जिसके बारे में जिसने भी सुना उसके होश फाखा हो गये। इस घटना के एक नहीं बल्कि चार गवाह हैं। ये घटना सिंगापुर के एक हिलस्टेशन की है। वहें टोनी स्टार्क उनकी पत्नी लीजा एनन और निकोल डेनिस उनकी पत्नी केंडिस छुटियाँ मनाने गये थे और उन्हें वहाँ एक होटल होलीडे दिखावे जब उस होटल में गये तो वहाँ का मालिक एक बूढ़ा सा अजीब दिखने वाला एक व्यक्ति था।उसने उन्हे दो कमरे दिये।वे सब अपने कमरों में चले गये और कुछ समय बाद जब लीजा अपने कपडे सुखाने लगी तो उसने नोटिस किया कि कमरे की खिड़की अजीब तरह की है।लीजा ने कपडे खिड़की में अटकाकर रख दिये।शाम को टोनी,लीजा,निकोल व केंडिस बाहर घूमने चले गये।वे सब रात को 11 बजे के करीब

होटल अपने कमरों में पहुंच गये। जब वे सब सोने की तैयारी करने लगे तो उन्हें कुछ हलचल होती लगी। होटल में कपन से हो रहे थे। सब घबराकर बाहर आ गये और होटल के मालिक के पास जाने लगे पर होटल का मालिक उन्हें कहीं नहीं मिला। उन सबने सारा होटल छान मारा पर मालिक कहीं नहीं दिखा। वे सब होटल से बाहर निकलने लगे तो होटल एम डोर व विन्डो नहीं खुले। पता नहीं वो सब कैसे जाम हो गये थे। अचानक लीजा को ध्यान आया कि उसके कमरे की खिड़की में कपड़ा अटका हुआ था। वो सब कमरे में भागे और उसकी खिड़की खोलकर बाहर कूद गये। और फिर जो उन्होंने देखा उसे देखकर उन सबकी आखों फटी की फटी की रह गई। वो होटल पूरा का पूरा हवा में तेजी से उड़ा जा रहा था। देखते ही देखते पूरा होटल अंतिक्ष में जाकर गायब हो गया। वो सब हैरान के हैरान रह गये। एलियन वाकई धरती पर आते हैं और तरह तरह के रूप बदलकर हमारे बीच में आसपास ही रहते हैं।

# जानवरों के भूत

इंसानों के भूत प्रतों के किस्से तो बहुत सुने हैं आपने पर जानवरों के भूतिया किस्से कभी कभी सुनने को मिलते हैं। जी हाँ यहाँ बात हो रही है उन भूतों की जो जानवरों के हैं इंसानों के नहीं। ये किस्सा है मैनहंटन क्षिटी का जहाँ लोगों ने कई जानवरों के प्रेत भटकते देखे हैं।

एक बार की बात है निकोस अपने घर की तरफ जा रहा था तभी एक कुता अचानक उस पर कूदा और गायब हो गया। निकोस डर के मारे बेहोश हो गया। एक घटना और हुई जब जूलिया रात में टहलकर अपने घर जा रही थी तभी उसे एक बिल्ली दिखी। बिल्ली जूलिया को बड़ी प्यारी लगी और जूलिया उसे घर ले आई। घर में लाते ही जूलिया ने जो देखा उसके होश उड़ गये। वो बिल्ली हवा में उड़ रही थी और उड़ते हुए इधर

उधर चीजों को तोड़ रही थी और फिर अचानक  
 गायब हो गई। ये देखकर जूलिया इतनी डर गई कि  
 उसने वहाँ से अपना घर ही छोड़ दिया। इस घटना से  
 उस जगह पर दहशत फैल गई। लेकिन घटनाओं का  
 दौर बद नहीं हुआ। हर दिन कोई न कोई इन प्रेत  
 जानवरों का शिकार होता चला गया। धीरे धीरे  
 करके वहाँ रहने वाले लोगों ने वो जगह खाली कर दी  
 और दूसरी जगह रहना शुरू कर दिया। वहाँ कोई  
 रहने आ भी जाता तो प्रेत जानवरों ने उन्हें जीने नहीं  
 दिया वहाँ कई मौतें भी हो चुकी हैं। वहाँ इसान तो  
 दूर कोई जानवर भी नहीं फअकता। वो जगह आज  
 भी उन प्रेत जानवरों की वजह से सुनसान है। आप भी  
 सोच समझकर अपने इस्क पर घूमने जाइये गा।



# बहुख्यपिये भूत

ये किस्सा है बहुख्यपिये भूतों का जो रूप बदलकर आते हैं। ये किस्सा भारत के माउंटभाबू में एक होटल का है। एक दिन की बात है दो दोस्त माउंटभाबू घूमने आए थे वहाँ होटल में एक कमरे में ठहरे थे जहाँ एक दोस्त राकेश बाहर गया सामान लेने। दूसरा दोस्त सुदेश कमरे में था तभी दरवाजे पर खटखट हुई। सुदेश ने दरवाजा खेला तो दरवाजे पर राकेश था। सुदेश ने पूछा कि सामान लेने गए थे वो कहाँ हैं? राकेश ने कहा कि सामान मिला नहीं इसलिए मैं वापस आ गया। कुछ देर बाद दोनों ने खाना खाया और राकेश फिर सामान लेने बाहर चला गया जब वो वापस लेकर आया तो सुदेश ने दरवाजा खोला। राकेश बोला आज बहुत देर हो गई। जाम में फॅस गया था भूख बहुत लगी है खाना कहाँ है? सुदेश ने कहा कि देर

कैसे हो गई तुम अभी अभी तो गये थे 15 मिनट पहले। और इतनी जल्दी वापस भी आ गये। जब पहले वापस आए थे तो तुमने कहा था कि सामान नहीं मिला और तुम वापस आ गये थे। इस पर हैरान होकर राकेश ने कहा कि मैं तो अभी वापस आया हूँ पहले कब आया था। ये सुनकर सुदेश हक्का बक्का रह गया। वो ये सोचता रह गया कि अगर तुम नहीं आये थे तो कौन आया था। उन्होंने आसपास पता करवाया तो पता लगा कि यहाँ लूप बदलकर एक भूत भटकता है। वो घर घर जाकर ऐसे ही लोगों को हैरान करता है। इसलिए लोग सतर्क रहते हैं। ये सुनते ही वे यहाँ से जाने की तैयारी करने न लगे तभी एक आदमी ने उनसे पूछा कि आप किससे बात कर रहे थे तो उन्होंने कहा कि आपको दिखा नहीं क्या। ये सुनते ही उनके होश फाखता हो गये। उस आदमी ने पूछा कि आप कहाँ रहे हुए हैं तो उन्होंने होटल के बारे में बताया तो उसने कहा कि वो होटल तो बरसों से बढ़ हैं। ये बात उन्हे और हैरान कर गई। वे होटल गए तो

दे खा कि सचमुच वहाँ होटल खांडा लग रहा था वे  
समझ गाये कि यहाँ भूतिया चक्कर है और उन्होंने  
उस एटिये को फटाफट खाली कर दिया। लेकिन आज  
भी वहाँ भूतों का कहर जारी है। लोग भी वहाँ कम  
आते हैं।



# दूसरी दुनिया का घर

आपने घर तो बहुत देखे हैं पर एक घर ऐसा भी है जहाँ जाते ही आप दूसरी दुनिया में पहुंच जाते हैं। जी हाँ ये बिल्कुल सच घटना है घटन एविये में बसा ये घर बहुत ही रहस्यमयी घर है ये घर एक



## दूसरी दुनिया को जोड़ने वाला घर

बिजनेसमैन ब्रूस टाडफ का है उन्होंने इस घर को 1990 में बनवाया था और बिजनेस टूर की वजह से वो यहाँ कम ही आते हैं इसलिए उन्होंने इस

घर को किटाये पर दे दिया था। जब किटायेदार  
यहाँ रहने लगे तो एक दिन उन्होंने देखा कि उनके  
घर के गार्डन से आवाज आ रही है तो देखा दो  
कुते आपस लड़ रहे थे। उन्होंने कुतों को भगाना  
चाहा तो ये देखकर वे हैरान हो गये कि वे दोनों  
कुते दो सिट वाले थे। वे कुते भागकर उनके घर  
के पीछे आग गये। उन्होंने पीछा किया तो देखा तो  
कुते वहाँ नहीं थे। पीछे घर से रास्ता नहीं था तो  
उन्होंने घर के अंदर देखना चाहा तो वहाँ वो भी  
नहीं दिखे। वे देखते रह गये। फिर एक दिन की  
बात है जब वे रात में सो रहे थे तभी उन्हें  
आवाज सुनाई दी। उन्होंने उठ कर देखा तो उनके  
दूसरे कमरे से आवाज आ रही थी। जब उन्होंने  
कमरे में जाकर देखा कि वहाँ पार्टी चल रही थी  
वो हैरान ही गये ये पार्टी कहीं से ही रही है वो  
भी अचानकाजग उन्होंने पूछना चाहा तो किसी का  
उन पर ध्यान नहीं था। तब उन्होंने देखा कि लोग  
एक गेट से दूसरे कमरे में जा रहे थे और उन्होंने

देखा कि दरवाजे के उस तरफ कोई था ही नहीं। वो ये देखकर हैरान हो गये कि लोग गये कहाँ। इसी दरवाजे से तो वो वहाँ गये थे। उन्हें लगा कि ये कोई भूतिया चक्कर तो नहीं है। एक दिन तो ऐसी घटना हुई कि उनके तो होश ही उड़ गये। एक आदमी उनके गेट पर खड़ा था और आवाज देकर बोला कि ये उपहार मिसेज लीजा के नाम। तो उन्होंने कहा कि यहाँ तो कोई लीजा नहीं रहती। उसने कही कि पता तो यही है। वो भी पता देखकर हैरान थी। तभी उनके घर से एक लेडी बाहर निकल के आयी और बोली ले आये उपहार। उस आदमी ने उपहार दिय और चल दिया। तब मिसेज राडफ ने पूछा तुम कौन हो और इस घर में कैसे आयी? लीजा बोली मैं तो इसी घर में रहती हूँ तुम यहाँ क्या कर रही हो? तब दोनों में बहस छिड़ गयी। और तब उन्होंने अपने हस्बैन्डस को बुलाया और वे बात करने के लिए अंदर आये तो लीजा बोली मेरा घर कुछ बदला हुआ सा लग

रही है। वो हैदान हुई किंचन को देखकर जब उसने कही कि मेरा किंचन तो यहाँ था ही नहीं। वो सब आगे दूसरे कमरे में गये तो मिसेज राडफ ने कही कि ये कमरा तो ऐसा नहीं था ये तो पूरा बदला हुआ है। लीजा और मिसेज राडफ दोनों ही हैदान थीं कि उनका घर बदला हुआ आ कैसे है। फिर दोनों बाहर निकले तो राडफ और उनकी पत्नी ने देखा कि लीजा और उसके पति गायब थे। उन्होंने घर तलाशा तो वे नहीं मिले फिर मिसेज राडफ ने देखा कि जो कमरा उनका बदला हुआ था वो फिर वही वैसा ही दिख रही था। ये देखकर वो समझ गये कि उनका घर किसी दूसरी दुनिया या पैरलल यूनिवर्स से जुड़ गया है जिसमें दूसरी दुनिया के लोग यहीं आ रहे हैं। ये वाक्या उन्हे हैदान कर गया। और उनका ये घर चर्चा में आ गया वहाँ वैज्ञानिकों ने जॉच शुल्क की पर वो ये पता नहीं लगा पाये कि दूसरी दुनिया का दरवाजा कहीं खुल रहा था। राडफ ने उस मनहूस घर को

बेच दिया। और बाद में उस घट में वैज्ञानिकों ने दूसरी दुनिया के दरवाजे पर कई शोध किये परंतु वो किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सके। और वो घट आज भी सुनसान है। वहाँ आसपास के लोगों का दावा है कि उस घट में लोगों की हलचल होती है पर वो हलच वैज्ञानिकों के सामने क्यों नहीं हुई ये एक रहस्य ही है। क्या पैरलल यूनिवर्स के लोग इस दुनिया का दास्ता जानते हैं?? अगर मल्टी यूनिवर्स की श्योरी सही है तो एक दिन उसका राज यहीं खुलेगा।



# भूतिया टीवी

---

ये एक ऐसे भूतिया टीवी की कहानी है जिसे लंदन का रहने वाले एक व्यक्ति टोम को एक टीवी कंपनी से इनाम में मिला था। वो टीवी को घर ले आया और उस पर पोग्राम देखने लगा। दिन पर दिन बीतते गये। फिर एक दिन टीवी देख रहा था तभी उस पर ब्यूज़ आ रही थी जिसमें बोला गया कि आज ब्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे का मैच है जिसमें ब्यूजीलैंड हार जायेगी। टोम सोचने लगा कि ब्यूज़ में ऐसा कैसे दिखा सकते हैं। फिर अचानक उसका पडोसी दोस्त आया और टोम ने उसे टीवी पर आयी ब्यूज़ का वाक्या सुनाया। जिसे सुनकर उसका दोस्त हैरान हो गया और वो बोला कि ऐसा कैसे हो सकता है ब्यूज़ में किसी की जीत हार की ऐसी ब्यूज़ नहीं आती तुम्हें वहम हुआ है। फिर शाम को जब उन्होंने मैच देखा तो पता लगा कि

ब्यूजीलैंड सचमुच मैच हार गई। दोनों हैरान हो गये कि ब्यूज में ये बात पहले कैसे आ गई। उन्होंने इस बात का औट जगह डिस्कशन किया तो उन्हें पता लगा कि ऐसा ब्यूज में कहीं नहीं आया। ये सुनकर टोम हैरान हो गया। एक दिन की बात है कि टोम टीवी पर एंवेजर एंडगेम मूवी देख रहा था जिसमें मूवी के लास्ट का सीन आ रहा था जिसमें आयरन मैन थोनोस का अंनत शक्ति वाला हैंड पहनकर थोनोस को खत्म करने वाला था पर टीवी में सीन कुछ अलग ही आ गया। उसमें कैप्टन अमेरिका थोनोस का हैंड पहनकर सारे हीरोज औट खुद को खत्म कर देता है। ये देखकर टोम के होश ठिकाने पर नहीं रहते औट वो बेहोश हो जाता है बाद में जब उसे होश आता है तो उसे शक होता है कि टीवी में ऐसी हो रही घटनाएँ इस टीवी के भूतिया होने का संकेत दे रही हैं। उसने सोच लिया कि कल सुबह वो उस टीवी को बेच देगा। वो टीवी बंद करके सो गया। रात में उसे

आवाजे आने लगी। उसने उठ कर देखा तो आवाजे टीवी से आ रही थीं। टीवी में आवाज आई कि मुझे बेचने की सोचना भी मत। उसे ऐसा लगा कि टीवी उसे संकेत दे रहा है। सुबह होने पर टोम टीवी बेचने निकला तो टीवी से उसे जोरदार कंटर लगा और वो झटका खाकर गिरा और उसकी वही मौत हो गई। उसकी अचानक मौत से हडकम्प मच गया। टोम की डैश से पता चला कि वो टीवी कंटर से मरा है पर टीवी से कंटर कैसे लगा ये एक दाज ही है। टोम का घर बंद होने के बाद वो भूतिया टीवी उसी घर में है। वो अगर किस के हाथ लगा तो उसका हाल भी टोम जैसा न हो जाये।



# भूतों की सेना

---

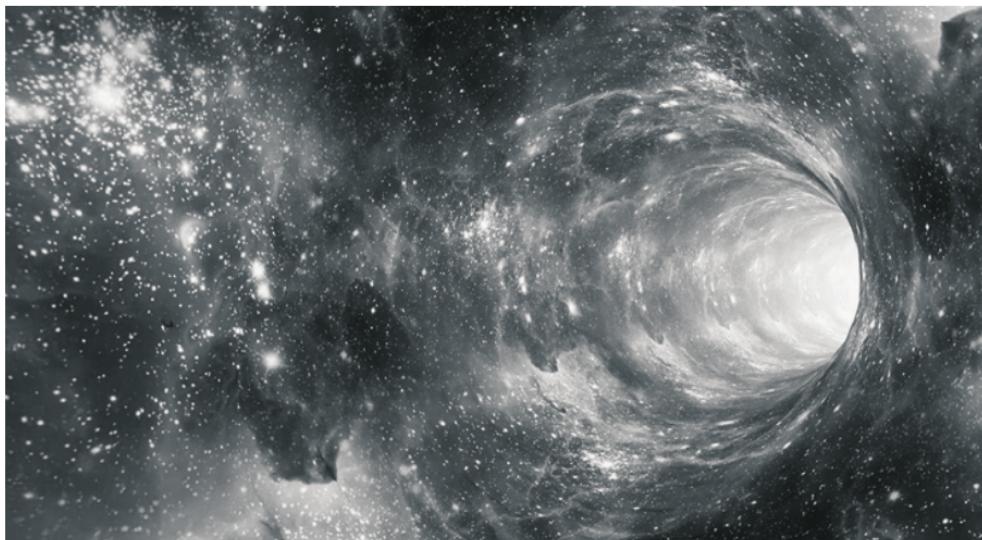
भूतों का सेना जो दिखाई देती है ऐस और चाइना के बार्डर पर। जहाँ वहाँ के जवानों ने देख है। ऐस के एक सैनिक माशोदा बताते हैं कि एक बार वे वहाँ डयूटी पर थे तभी उन्होंने देखा कि पश्चिम से एक फौज उनकी तरफ आ रही थी। वो हथियारों से लैस थी। पर उनके पास पुराने तरह के हथियार थे। वो जैसे ही दूसरे जवानों को सतर्क करने लगा कि तभी उसने देखा कि वो सेना अचानक गायब हो गई। माशोदा देखते ही हैरान ही गया कि ये क्या हुआ। माशोदा ने ये बात दूसरे सैनिकों को बताई। तो किसी को यकीन नहीं हुआ। सबने कही कि तुमने सपना देखा है। वहीं उसी एटिये में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि जो तुमने देखा है वो सच है। यहाँ सचमुच एक भूतिया सेना आती है। ये बहुत पुरानी

बात है जब यहाँ पर स्ल और अमेरिका की जंग की हुई थी। उस युद्ध में कई सैनिक मारे गये थे। तभी से उनकी प्रेतआत्माएँ भटकती हैं। वे दोज आती हैं और लड़ाई करती हैं और गायब हो जाती हैं। यहाँ रहने वाले कई लोगों ने वो भूतिया सेना देखी है। ये बात सुनकर माशोदा हक्का बक्का रह गया था कि वाकई भूत प्रेतों का वजूद है। वे वाकई हमारे आसपास हैं। बाद में माशोदा का तबादला दूसरी जगह हो गया था पर वो उस भूतिया सेना की घटना को याद करके आज भी सिहर उठता है कि उसने भूत प्रेत देखे थे।



# समय यात्रा

समय जो किसी के लिए नहीं सकता। वो गतिशील है। समय से तेज कुछ भी कुछ भी नहीं है। आज कई वैज्ञानिक इस बारे में विचार करते हैं कि हम



समय यात्रा कर सकते हैं या नहीं? क्या हम भूतकाल या भविष्यकाल में जा सकते हैं?? ये सवाल कई बार उठा है। पर इसका अनुभव कुछ लोगों ने ही किया है। इनमें से एक है न्यूयार्क के जार्ज फैक्न है। एक दिन की बात है ये काट से

कनाडा जा रहे थे। उन्हे सारा दास्ता पता था। दास्ते में जाते जाते कार एक टनल से निकलती है तो फिर वो देखते हैं कि दास्ता कुछ बदला हुआ सा लग रहा था। वहाँ जार्ज को लोग बदले हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने पुराने फेशन के कपड़े पहन रखे थे जो अब कोई पहनता भी नहीं है। वो गाड़ी रोककर निकले वहाँ पूछताछ की तो उन्होंने देखा वो सन 1950 के समय में पहुंच गये हैं। वहाँ लोग भी जार्ज को देख रहे थे। सभी उसको देखकर पूछ रहे थे कि ये कौन है? कैसे कपड़े पहन रखे हैं। जार्ज ने तुरंत गाड़ी में बैठकर वहाँ से चला गया। उसकी कार फिर से टनल से निकली है और फिर से वही उसका दास्ता आ गया। वो हैरान था कि उसने कुछ समय पहले समय यात्रा की थी। वार्कइ समय यात्रा की जा सकती है पर उसका पक्का साधन अभी वैज्ञानिकों खोज नहीं पाये हैं। लेकिन कुछ जगहों से समय यात्रा हुई तो कैसे हुई इस पर दिसर्च जारी है।

# भूत प्रेतों की उत्पत्ति कैसे हुई।

भूत प्रेतों की घटनाएँ तो बहुत सुनी हैं हमने पर हट कोई ये नहीं जानता भूत प्रेत आए कहाँ से। अनका जन्म कैसे हुआ? आज यही बात होने जा रही है। जब कोई मरता है तो उसके शरीर से एक सूक्ष्म शरीर निकलता है जो हमारे स्थूल शरीर से अलग होता है। वो सूक्ष्म शरीर ही जब बिना स्थूल शरीर के होता है तो इसे ही प्रेत कहते हैं। हमारे शास्त्रों में जिक आता है कि जब सृष्टि के द्वियता ब्रह्मा जी ने अपने चारों पुत्र चार कुमारों को आगे वंश बढ़ाने को कहा तो उन्होंने मना कर दिया तो ब्रह्मा जी को क्षेध आ गया और उनके क्षेध से शिव जी प्रकट हुए। ब्रह्मा जी ने शिवजी को आगे जीवों की उत्पत्ति करने को कहा तो उन्होंने जीव उत्पन्न करने को कहा तो शिवजी ने भूत प्रेतों की उत्पत्ति कर दी और वे भूत प्रेत

प्रकट होकर संसार में हाहाकार फैलाने लगे जिसे  
 देखकर ब्रह्माजी चिंतित हो गये। और उन्होंने  
 शिवजी को दोक दिया। और इस तरह भूतप्रेतों  
 की उत्पत्ति हुई। भूतप्रेत शिवजी की शरण में  
 रहते हैं। इन भूत प्रेतों में भी इनकी भिन्न भिन्न  
 योनियाँ होती हैं। पहले भूतप्रेत उसके बाद उनसे  
 खतरनाक पिशाच आते हैं और फिर इनके बाद  
 सबसे खतरनाक ब्रह्मदाक्षस आते हैं। कोई भी जीव  
 जब असमय मृत्यु मरता है तो उसका सूक्ष्म शरीर  
 बिना स्थूल शरीर के होने के कारण वो प्रेतयोनि  
 में चला जाता है और अपने लिए शरीर ढूँढता  
 रहता है तथा शरीर न मिलने के कारण वो किसी  
 के शरीर में प्रवेश कर जाता है जिससे वो जीवित  
 जीव प्रेत बाधा से ग्रस्त हो जाता है। वैज्ञानिक भूत  
 प्रेतों को न देख पाने के कारण उन पर विश्वास  
 नहीं करते पर पराविज्ञान विश्वास करता है और  
 भूत प्रेतों की घटनाएँ होती रहती हैं।



# अंतरिक्ष से आए सिग्नल किसके थे ।

---

वैज्ञानिक मोसिफ जो इंग्लैंड के रहने वाले थे उन्हें अंतरिक्ष के दृश्यों में बहुत गहरी दिलचस्पी थी । इसलिए उन्होंने अपने कंप्यूटर के जरिए पृथ्वी के अंतरिक्ष में मौजूद रेडियो के द्वारा अंतरिक्ष में सिग्नल भेजने शुरू कर दिए थे। से उमीद थी कि उनके सिग्नल को कोई न कोई उत्तर देगा जिससे उसे एलियन सभ्यता का पता चल पाएगा । फिर एक दिन अचानक उसे अपने कंप्यूटर उसके भेजे सिग्नल के साथ कुछ अज्ञात सिग्नल आ रहे थे । जिसे देखकर मोसिफ हैरान हो गया कि कौन उसके सिग्नल के बदले में उत्तर दे रहा है । वो सोच रहा था कि ये वार्कइ कोई सिग्नल हैं या कंप्यूटर की कोई खराबी? पर सिग्नल तो लगातार आ रहे थे और कंप्यूटर में कोई खराबी नहीं थी । तो वैज्ञानिक मोसिफ उस सिग्नल के बदले अपने

## વैज्ञानिक मोक्षिफ द्वारा कागज पर उत्ते सिगनल

सिग्नल भेज रहा था । और उसके बदले उसे सिग्नल आते जा रहे थे । वो सिग्नल बहुत ही अजीब भाषा में थे जिसे वो समझ नहीं पा रहा था । उन सिग्नल को वैज्ञानिक मोसिफ ने एक कागज पर उतार दिया था । और उसे नासा के सामने पेश किया तो वैज्ञानिक भी हैरान हो गये थे । वे सब मिलकर भी उस भाषा का स्रोत नहीं कर पा रहे थे । और आज भी वो ये सिग्नल उन सबके लिए एक रहस्य थे । वो सिग्नल कहाँ से आये और किसने भेजे? हो सकता है कि भविष्य में कोई इन सिग्नल का उत्तर देने के लिए धरती पर आएगा ।

# भूतिया पेटिंग

---

जर्मनी में एक गाँव था जिसका नाम है सॉसावा । जहाँ पर एक बहुत ही प्राचीन गुफा है जो लगभग 1000 साल पुरानी है। कहते हैं कि उस गुफा में एक दृस्यमयी पेटिंग है जो गुफा की दीवारों पर बनी है जिसमें एक योद्धा औट उसका एक घोड़ा दिखाया गया है। वहाँ के लोंगो का कहना है कि वो पेटिंग के योद्धा को उसके घोड़े के साथ बाहर घूमते देखा है। तो इधर उधर तेजी से घूमता है औट उधर गुफा में उसकी पेटिंग गायब हो जाती है। रात में वही योद्धा वापस आकर उसी गुफा में वापस आकर समा जाता है। वैज्ञानिक इस तथ्य से काफी हैरान है कि क्या ऐसा संभव है कि कोई चीज पेटिंग से बाहर आ सकती है। वैज्ञानिकों ने इस बारे में जानने के लिए सॉसावा गाँव में जाँच करने के लिए वहाँ गये। वहाँ उस गुफा में जाकर

उस पेटिंग को देखा तो इसमें वो योद्धा बना हुआ था। उस योद्धा का इतिहास जानने की कोशिश की कि ये आखिर है कौन? उस योद्धा का नाम मैसोलिपा था। उसने सन 900 ईसवी में जर्मनी के युद्ध में बहुत बहादुरी से लड़ा था उसने कई योद्धाओं से अकेले युद्ध किया था। कई युद्धों को जीता था उसने। उसकी याद में कई पेटिंग्स बनी थी उसकी बहादुरी पर। वो योद्धा अपने राज्य का प्रहरी था। उसकी रखवाली के लिए राज्य में घूमता रहता था। इसलिए मौत के बाद भी उसकी आत्मा भटकती रहती है गाँव की रखवाली के लिए। जो आज भी एक रहस्य है लोगों के लिए।



# क्या है एंटीमैटर

---

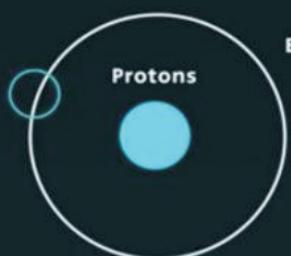
हमने साइंस में मैटर के बारे में खूब पढ़ा होगा कि मैटर वो होता है जो स्थान घेरता है और उसमें द्रव्यमान होता है। उसकी पाँच अवस्थाएँ बताई गई हैं जो हैं ठोस, द्रव, गैस, प्लाजमा व बोस आइन्जिनीर। मैटर परमाणुओं से बना होता है। परमाणु के अंदर इलैक्ट्रोन, प्लॉन व ब्यूट्रान से बना होता है। परमाणु के नाभिक में प्लॉन व ब्यूट्रान होता है और इलैक्ट्रोन नाभिक के चारों ओर चक्कर लगाते रहते हैं। पर ये मैटर की खासियत है पर क्या आपने सोचा है मैटर के विपरित एक एंटीमैटर भी हो सकता है। एंटीमैटर जो ठीक मैटर के विपरित खासियत होती है। एंटीमैटर में परमाणु के नाभिक में इलैक्ट्रोन व ब्यूट्रान उपस्थित होते हैं और उसके चारों तरफ प्लॉन चक्कर लगाते रहते हैं। तो ये बिल्कुल एकदूसरे के

के विपरित हैं अगर ये दोनों टक्का गये तो एक शॉटसर्किंट होना पक्का है। हमारा ये ब्रह्मांड जिसमें हम रहते हैं, मैटर से बना है। सूर्य, चंद्र, तारे, ग्रह व ब्लैकहोल सभी मैटर से बने हैं। किसी में मैटर कम है तो किसी में ज्यादा है पर बने सब मैटर से हैं। पर इस मैटर के विपरित एक एंटीमैटर का बना भी एक ब्रह्मांड हो सकता है। यहाँ इस मैटर के बने ब्रह्मांड में जो चीज बनती है वो मिटती भी है। पर इसके विपरित एंटीमैटर में मौजूद चीज अनश्वर हैं वहाँ कुछ भी नाश नहीं होता है और ऐसा संभ भी है क्योंकि ये एंटीमैटर का बना एक ब्रह्मांड है।

हमारे शास्त्रों में अगर जाएं तो वहाँ हमें एंटीमैटर से बने ब्रह्मांड के बारे में जानकारी मिलती है। भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण ने कहा है कि इस प्रकृति के परे एक अव्य प्रकृति भी है जो अनश्वर है जब इस प्रकृति का प्रलय होता है तो भी वो प्रकृति सनातन विद्यमान



## Matter



Hydrogen

## Antimatter



Antihydrogen

रहती है। औट भगवान को भी नश्वर माना गया है यानी कि भगवान का शरीर एंटीमैटर से बना है जो ठीक हमारे शरीर के विपरित है औट आत्मा भी एक एंटीमैटर से बना एक तत्व है जो शरीर के नाश के बाद भी यथावत विघ्मान रहती है। ताकि एंटीमैटर का वजूद होना संभव है। औट एंटीमैटर से बना संसार भी सुंदर बहुत होगा। पर वैज्ञानिक इसमें पूरी तरह विश्वास नहीं करते हैं क्योंकि उन्हें प्रूफ चाहिए। पर क्या हम कभी एंटीमैटर तक पहुँच पाएंगे जबकि वो एंटीमैटर हमारे बीच मौजूद है हमारे अंदर मौजूद है।

# परग्रही हमारे बीच में हैं?

हमारी पृथ्वी जो हमारे सौर मंडल में ऐसा ग्रह है जो जीवन से भरपूर है यहाँ का वातावरण इस तरह से व्यवस्थित है कि यहाँ जीवन पूरी तरह से पनपता है। हम यहाँ तरह तरह के जीवों को भी देखते हैं जैसे मानव, पशु, पक्षी, पेड़, कीट आदि। ये सभी पृथ्वी के वातावरण के अनुसार ही जीवन जी रहे हैं। पर क्या हमने सोचा है कि हमारी पृथ्वी पर परग्रही भी आते हैं और क्या वे परग्रही हमारे बीच में रह रहे हैं।

परग्रही यानी एलियन एक ऐसा जीव जिसका संबंध अन्य ग्रहों से होता है। वे दूसरे ग्रहों पर रहते हैं। जैसे हम दूसरे ग्रहों पर जीवन की खोज कर करते हैं उसी तरह कोई एलियन सभ्यता भी हमें खोज रही हो और ये भी हो सकता है कि उन्होंने हमें खोज भी लिया हो और

और वे हमारे बीच हमारी तरह स्वप्न बदलकर रह रहे हों। ऐसी हमने कई बार महसूस किया है कि इंसानों में कई तरह की अजीब शक्तियाँ जो



जिन्होंने अपने चमत्कारों से वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया है। विज्ञान ने इन चमत्कारों को चैक करना चाहा तो उन्हें भी हैरानी हो गई कि यहाँ पर उनकी साइंस के सिद्धांत भी घटे के घटे रह गये। जैसे किसी इंसान में मैग्नेटिक शक्ति से किसी चीज को खींच लेना, कोई इंसान किसी दूसरे के दुखों को अपने उपर लेना जिससे

उनके शरीर में विचित्र परिवर्तन होते हैं। उनके आँखों से खून के आँसू निकलते हैं।, कोई छोटा सा बच्चा जिसके एकदम से इतना ज्ञान आ गया कि वो उन सवालों के जवाब भी ऐसे दे देता है जो जवाब किसी आम इंसान को ग्रेजुएशन करने के बाद पता चलता है। तथा किसी में भविष्य जानने की ऐसी चमत्कारी शक्ति की वो दुनिया का हजारों सालों के आगे का भविष्य बता देता है। औश्वेर तो और इंजिनियर के पिरामिड भी आजतक हमारे लिए एक दृष्ट्य है कि किसी ने ऐसे बड़े बड़े पिरामिड बिना किसी तकनीक के कैसे बनाए बनाए थे। ये सब बातें इसी तरफ इशारा करती हैं कि एलियन सभ्यता हमारे बीच में कही न कही है और वे हमारी मदद भी कर रही हैं और शायद हमारा कोई नुकसान भी कर रही हों ये बात भविष्य के गर्त में छिपी है कि एलियन तक हम कैसे पहुंचेंगे और वो कैसे दिखेंगे और हमारे प्रति उनका व्यवहार कैसा होगा?

# परियों का वजूद है?



परियों का स्वरूप ऐसा ही है।

हमने बचपन में अपनी दादी या नानी से कई कहानियाँ सुनी होगी उनमें परियों की कहानी भी सुनी होगी । जिसमें हम सुनते हैं कि परियाँ घरती पर आकर एक राजकुमार से मिलती हैं और उसे अपने घर ले जाती हैं और राजकुमार उनकी कोई न कोई मदद करता है । ये बात तो हुई एक कहानी

की जिसमें परियों का जिक हुआ पर क्या वार्कइं  
परियों होती हैं। परियां जिनके पंख हैं और वो उड़  
सकती है उनके पास एक मैजिक स्टिक है जिसमें  
वो जादू चलाकर कुछ भी बदल सकती हैं। चाहे  
तो कुछ भी कर सकती हैं। सुनने में तो ये एक  
कल्पना लगती है पर कल्पना ऐसे ही पैदा नहीं हो  
सकती है कोई न कोई कॉस्पेट तो उसके पीछे  
तो होता ही है। वैज्ञानिक परियों के अस्तित्व में  
पूरी तरह यकीन नहीं करते क्योंकि इसका कोई  
ठोक प्रमाण नहीं है उसके पास। पर कुछ लोग  
दुनिया में ऐसे भी हैं जो परियों को देखने का  
दावा करते हैं। उन्होंने परियों का देखा है। इन्हें  
के छहने वाली लीजा बताती है कि वो अपने बंगलो  
के गार्डन में घूम रही थी तो उन्होंने देखा कि  
कुछ छोटी छोटी तितलियाँ कुछ गुनगुनाती हुई उड़  
रही थी। जब लीजा ने गौर से देखा तो उन्हें पता  
लगा कि वो तितली नहीं छोटी छोटी परियाँ थीं।  
जो उसके चारों तरफ झघट उघट उड़ रही थीं।

और लीजा के चारों तरफ धूम रही थीं । जो संगीत वो बजा रही थीं ऐसा संगीत लीजा ने पृथ्वी पर कभी नहीं सुना था । उस संगीत में ऐसा आकर्षण था कि वो उस संगीत से मंत्र मुग्ध हो गई । लीजा उसी संगीत में खोई हुई थी और साथ में हैरान भी थी कि वो परियों को देखकर हैरान थीं उसने उनके चेहरे को देखा तो वो बहुत सुंदर थीं । फिर कुछ समय बाद वो परियाँ खुद ही गायब हो गईं वो परियाँ कहाँ से आईं थीं ये आज भी एक रहस्य हैं ।



# राजा जिसे पता ही नहीं लगा कि वो भूत बन चुका है।

ये एक आश्चर्यजनक सच्चा किस्मा है। सन 1635 में लम्बानिया में एक किले में एक राजा राज करता था जिसका नाम था किंग डेंग्स जो बहुत ही भोगी किस्म का राजा था। वो प्रजा का ध्यान कम रखता और अपने बाटे में ज्यादा सोचता था। वो अपनी धुन में मस्त था। उसने दस शादियाँ की थीं पर प्रजा उससे खुश न थी। डेंग्स बहुत ही अयोग्य किस्म का शासक था। एक दिन उसे अल्साट की बीमारी हो गई थी। और उसकी हालत ठीक न थी। एक दिन किंग डेंग्स बिस्तर उठकर बाहर



किंग डेंग्स

जाता है और अपने सुंदर बगीचे में जाता है और  
वहाँ पर अपने पंसदीदा फूल को हाथ में लेने की  
कोशिश करता है पर वो हाथ में नहीं ले पाता है  
वो फूल डेंग्स के हाथ के आरपार निकल जाता  
है। वो एक और फूल लेने की कोशिश करता है  
पर वो भी उसके आरपार निकल जाता है। वो  
वापस अपने महल में जाता है तो देखता है कि  
उसकी दानियाँ दो रही थीं। वो जानने की कोशिश  
करता है तो देखता है कि सामने उसका शव पड़ा  
था। वो हैरान था कि मैं सामने कैसे लेटा हूँ।  
वो हैरान हा जाता है कि मैं मर गया हूँ।

वो अपनी पत्नी को आवाज देता है पर  
उसकी आवाज पल्जियों तक नहीं पहुँचती वो हैरान  
हो जाता है कि उसे पता भी नहीं लगा कि वो  
भूत बन चुका था अब वो कोई भोग नहीं कर  
सकता किसी से मिल नहीं सकता। वो केवल  
भटकता रहेगा और आज भी किंग डेंग्स का भूत  
अपने स्मानिया के किले भटक रहा है।

# भूतिया टेलगाड़ी

---

टेलगाड़ी में सफर करना किसे अच्छा नहीं लगता पर कभी कभी ऐसी टेलगाड़ी से भी वास्ता पड़ता है पैसेजर का कि वो सोच भी नहीं सकते। यस के ट्रांसपाइबोरियन में लोग टेलवे स्टेशन पर टेल का इंतजार कर रहे थे तभी टेल आती है और सभी यात्री टेल में बैठ जाते हैं और ट्रेन चल देती है। ट्रेन रास्ते में जंगल में जाती है औश्च यक जाती है तभी दूसरी ट्रेन आती है और उस ट्रेन को जो देखता है उसके होश उड़ जाती है। उस ट्रेन से डरावनी आवाजें आती हैं और उसमें से कंकाल ट्रेन की खिड़की से बाहर झाँक कर भयंकर आवाजें निकाल रहे हैं। ये सब हैदान कर देने वाला सीन देखकर पहली ट्रेन के यात्री डर जाते हैं। कुछ यात्री तो बेहोश हो जाते हैं। तभी वो भूतिया टेलगाड़ी हवा में उड़ने लगती है और वो भूतिया टेलगाड़ी

अचानक हवा में गायब हो जाती है। फिर बाद में पहली देन चल देती है। देन के ड्राइवर व गार्ड भी हैरान थे ये क्या देखा हमने ये कैसी देन थी? गार्ड पता लगवाता है कि ऐसी कोई भूतिया देन आपने गुजारते देखी है। तो पता लगता है ऐसी कोई देन नहीं गुजरी। वो गार्ड की बातों को मजाक में ले लेते हैं। तभी ड्राइवर को ध्यान आता है कि आज के दिन इसी एटिये में एक टेलगाड़ी का बहुत भयंकर एक्सीडेंट हुआ था जिसमें एक भी यात्री जिन्दा नहीं बचा था। इस देन की आज डैश एनीवर्सी है जिसकी वजह से ये भूतिया किस्सा दोहराया गया है। इस तरह ये भूतिया देन हर साल नजद आती है।



# रहस्यमयी डिब्बी

इंग्लैंड के एक कॉस्टल में किचन में एक रहस्यमयी डिब्बी है जिसमें दखा सामान कभी खत्म नहीं होता है ये बात सुनने में



## रहस्यमयी डिब्बी

अजीब लगेगी पर ये एक अनोखी सच्चाई है। जूलिया जो पहले इस घर में रहती थी वो अपने लिए किचन का सामान लाती है उसमें ये रहस्यमयी डिब्बी भी लाती है। जूलिया इसमें मसाला भरती है। औट खाना बनाकर औट काम भी करती है। ऐसे कई दिन गुजर जाते हैं। जूलिया का रोज का काम यही खाना बनाने का होता है पर वो नोटिस करती है कि उसके खाने के आइटम्स तो रोज के यूज

के अनुसार कम हो रहे हैं पर उस डिब्बी में रखा  
मसाला खत्म नहीं हो रहा है वो डिब्बी मसाले से  
अभी भी हाउलफुल थी। जूलिया हैटान हो जाती है  
कि ये डिब्बा में रखा मसाला खत्म क्यों नहीं हो  
रहा है। जूलिया उस मसाले को यूज करती रहती  
है। और जो मसाला 20 दिन में खत्म हो जाना  
चाहिए था वो मसाला उस रहस्यमयी चमत्कारी  
डिब्बी में होने के कारण 6 महीने गुजरने के बाद  
भी खत्म नहीं होता है। बाद में जूलिया मकान  
को बदल देती है। पर वो डिब्बी वहीं घर में रह  
जाती है जो आज भी सबको चौंका देती है।



# वो पहुँच गया दूसरी पृथ्वी पर

बात है सन 1965 की न्यूयार्क के एक हाइवे पर एक काट दौड़ी जा रही थी जिसमें न्यूजर्सी का एक बिजनेसमैन रॉबर्ट डिसूजा सफर कर रहा था। वो बिजनेस के काम से न्यूयार्क जा रहा था और उसे रास्ते में एक मोटर पर खाना खाने के लका और फिर बाद में आगे चल दिया। न्यूयार्क जाने वाले रास्ते का वो जानता था पर तभी उसे वो रास्ता बदला हुआ लग रहा था जबकि उसे पता था कि वो सही जा रहा था। उसने रास्ते में एक आदमी से पूछताछ करी कि ये रास्ता कहाँ जाता है तो उसे पता लगा कि वो रास्ता न्यूयार्क ही जा रहा था।

रॉबर्ट उसी रास्ते से आगे बढ़ने लगा तो वो न्यूयार्क पहुँच गया पर वो हैटान था कि न्यूयार्क उसे बदला हुआ सा लग रहा था। उसने न्यूयार्क

के दास्ते देखे हुए थे । पर वो दास्ते उसे बदले हुए लग रहे थे । उसने वहाँ पास के लोगों से पता लगाने की कोशिश की कि ये कौन सा एटिया है? तो उसे पता लगा कि वो ब्यूयार्क के राउडी स्टीक एटिये में था । राबर्ट सुनके हैरान हो गया क्योंकि ऐसा कोई एटिया का नाम उसने कभी नहीं सुना था । उसने कहीं जगह जाँच पड़ताल की तो वो हैरान हो गया कि वो सचमुच राउडी स्टीक में ही था । उसे टॉम्स स्काउट जाना था तो वो उसका दास्ता पूछने लगा तो उसे बताया गया कि टॉम्स स्काउट नाम की कोई जगह नहीं है ये सुनकर राबर्ट भौंचकका रह गया । ऐसा कैसे हो सकता है वो इस जगह हजार बार आ चुका है । उसने और जगह भी इसकी जाँच कर करी तो उसे पता लगा वाकई ऐसी कोई जगह नहीं है । उसने टेलिफोन बूथ से टॉम्स स्काउट के ऑफिस पर फोन किया तो वहाँ फोन पर उसकी बात हुई तो उन्हें ऑफिस आने को कहा गया पर

उसने बताया कि ऐसी कोई जगह नहीं मिल रही मुझे । मैं दृढ़कर थक गया हूँ पता नहीं क्या हा गया है। फिर राबर्ट न्यूजर्सी में अपने घर वापस आ गया और तीन दिन बाद फिर वो न्यूयार्क की



### राबर्ट पहुँच गया दूसरी पृथ्वी के न्यूयार्क में

रवाना हुआ औश्र इस बार उसे वही रास्ता दिख रहा था जो उसका पहले का देखा हुआ था और जब वो न्यूयार्क पहुँचा तो उसे टॉम्स स्काउट एटिया भी नजर आ गया । उसने वहाँ राउडी स्टीक एटिये के बारे में पूछना चाहा तो उसे पता लगा ऐसा कोई एटिया पूरे न्यूयार्क में कहीं नहीं है इस बार

रार्बर्ट फिट से हैरान हो गया था । वो अपने ऑफिस में गया वहाँ अपना काम पूरा किया और वहाँ जग उसने यह बताया कि पिछली बार वो रातड़ी स्टीक नाम की एक जगह पर पहुँच गया था तो किसी को उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ तो क्या रार्बर्ट किसी दूसरी दुनिया में पहुँच गया था एक पैरलल यूनिवर्स में। एक दूसरे व्यूयार्क में।

पहले रास्ता दूसरा दिखा था अब कोई और रास्ता दिख रहा है ये वाकई हैरान करने वाली बात थी । तो क्या हमारी पृथ्वी पर कई ऐसे दरवाजे हैं जो हमें दूसरी पृथ्वियों पर पहुँचा देते हैं । ये रहस्य आजतक एक रहस्य है।

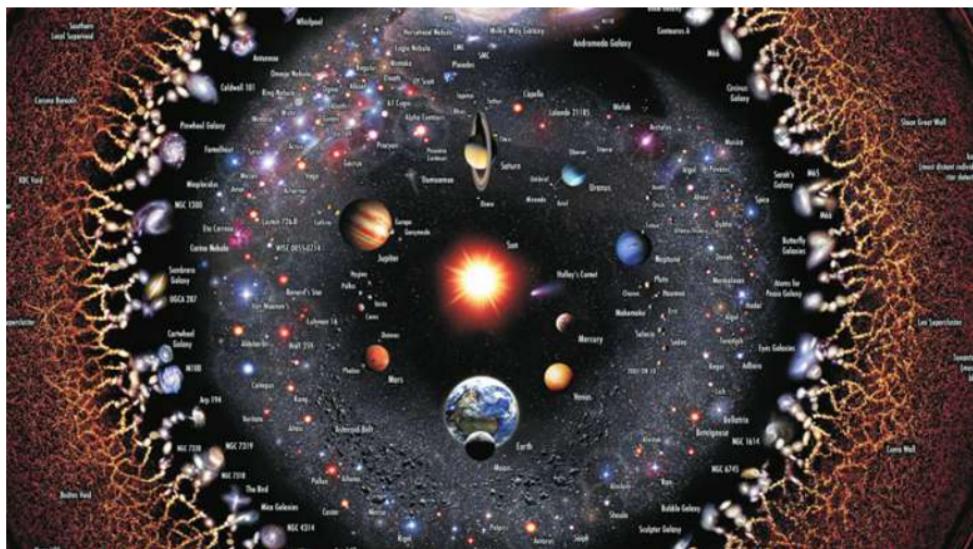


# ब्रह्मांड कितना पुराना है?

ब्रह्मांड जिसके बारे में इंसान की जानने की जिज्ञासा इंसान को हमेशा से रही है और आगे भी रहेगी। वैज्ञानिक ने ब्रह्मांडों में कई टेलिस्कोप कई सालों से और टेलिस्कोप ने कई पिक्चर भेजी हैं। जिसमें वैज्ञानिकों ने कई गैलक्सियाँ, ब्लैकहोल्स, कई ग्रह आदि की फोटोज भेजी हैं। जिसमें वैज्ञानिकों को ब्रह्मांडों के कई राज पता लगे हैं।

जिसमें उन्होंने अपनी पृथ्वी के भी कई राज पता लगे हैं। हमारी पृथ्वी की उम्र कितनी है। सूर्य की उम्र कितनी है। हमारा सौर मंडल कितना पुराना है। और आगे ये कितना और समय तक ये कायम रहेगा। वैज्ञानिकों ने तारों के सुपरनोवा विस्फोट से ये पता लगाने की कोशिश करते हैं कि ये तारा कितना पुराना है। किसी गैलक्सी का प्रकाश हम तक पहुँचा तो उस प्रकाश

को हम तक आने में जितना समय लगा उससे हम उस गैलक्सी की उम्र कितनी है। इस तरह से



## ब्रह्मांड की उम्र

ब्रह्मांड की उम्र का पता भी वैज्ञानिकों ने लगाया है पर ये बात कितनी सच है? क्योंकि ब्रह्मांड कितने विस्तार में फैला है इसके बारे में अभी हमारी साइंस नहीं जान पाई है। इसकी कोई लिमिट है या नहीं इसका भी कुछ नहीं मालूम। जो पदार्थ हम देखते हैं उससे परे कैसे भिन्न पदार्थ हैं? इसलिए ब्रह्मांड कितना पुराना है अभी ये भी एक रहस्य है।

# परिवार ने हैटंगेज तरीके से की आत्महत्या

जी हाँ ये जो उपर टॉपिक आपने पढ़ा ये वाकई हैरान कर देने वाला था । इस घटना का एक गवाह भी है। लंदन के शहर की ये हादसा है। इसी जगह पर स्टैन ली नामक व्यक्ति जो अपने चाचा रोमन ली के घर गया था वहाँ उसके चाचा, चाची व उसकी चचेटी बहन भी थी। स्टैन ली अपने चाचा के घर उनसे मिलने गया था वहाँ जब पहुँचा तो सब सदस्य घर पर थे । वो सबसे मिलता है और सबने उसका वैलकम भी किया । स्टैनली को उस दिन कुछ अजीब लगा । वहाँ वो देखता है कि चाचा जी ने रसोई में चार गैस सिलेंडर रखे थे एक लाइन में जबकि रसोई इतनी



अनोखा सुसाइड

बड़ी नहीं थी । मैंने चार सिलैंडर का कारण पूछा  
तो उन्होंने खास कारण नहीं दिया । वो अपनी  
चरेटी बहन मोनालिसा से मिला तो उसका व्यक्ति  
भी बदला हुआ लग रहा था । वो बहन के  
साथ छत पर घूमने गये । और वहाँ मोनालिसा ने  
उसे खेल हाइड एंड सीक खेलने को कहा और  
कहा कि स्टेन ली तुम छुपो मै तुम्हें ढूँढ़ूगी ।  
और स्टेन ली छुप गया बस यहीं वो घटना की  
शुरूआत हुई । स्टेन ली काफी देर तक छिप के  
इंतजार करता रहा तभी उसे धमाके की आवाज  
सुनाई दी । वो तुरंत नीचे भागा और सीन  
देखकर हैरान हो गया । नीचे सिलैंडर फटे थे।  
और उसमें चाचा चाची मरे पड़े थे औश्र दोनों ने  
हाथ बांधे हुए थे अपने । और दूसरे कमरे में  
उसकी चरेटी बहन ने खुद को फॉसी के फंदे से  
लटका दिया था । ये देखकर उसके होश उड़ गये  
कि से फेमिली सुसाइड करने जा रही थी और  
उसका एहसास भी नहीं होने दिया । इस वाक्या

ने पूरे लंदन को हैटान कर दिया था । 1965 के ये हादसा आज तक स्टैन ली की यादों में बसकर उसकी जिदगी को हिला कर रख दिया था । उस फेमिली की सुसाइड की वजह स्पष्ट रूप से पता नहीं लग पाई थी । और ये पारिवारिक आत्महत्या का ये कांड एक रहस्य ही बनकर रह गया ।



# चुड़ैल का आतंक

ये घटना है भारत के मुबई शहर की जहाँ एक चुड़ैल के आतंक ने घरावी इलाके को दहला दखा है। घरावी में स्थित एक घर जो 60 साल से बंद है वहाँ कोई रहता नहीं है वहाँ एक चुड़ैल का वास है। वहाँ कई हत्याएं हो चुकी थीं और घर में भी लोग जाने से डरते थे। वहाँ के रहने वाले मिस्टर गोडबोले बताते हैं कि वहाँ उन्होंने रात में कई भयानक आवाजें सुनाई देती हैं जिसकी वजह से उनके घर के बच्चे खौफ में रहते हैं। यहाँ पुलिस भी कई बार भी आ चुकी है। पर वो उन्हें वहाँ कुछ नहीं मिला। वहीं के एक और रहने वाले मिस्टर राघव ने कहा कि वहाँ रात में एक पुलिस वाले ने लकने की कोशिश की



**भयानक चुड़ैल  
का आतंक**

थी पट वो सुबह तक जिन्दा नहीं बच सका ।  
फिर इन सब हादसे को देखते हुए उस घर को  
गिराने की कोशिश की गई पर न जाने कैसे वो  
कोशिश हर बार नाकाम हो गई । मुज्जेपैलिटी के  
चीफ मर गया तो कभी जो बुलडोजर लेकर चलता  
है वो मारा गया । ये घर कभी गिर ही नहीं  
सका । बाद में इस घर को भूत बंगला करार दे  
दिया गया । और उसके चारों तरफ बाउंड्री बनाकर  
उसे बंद कर दिया गया । तो इससे ये बात  
साबित नहीं होती कि भूतप्रेत वाकई होते हैं और  
वे हमारे बीच में मौजूद हैं। ये जगह आज भी एक  
चुड़ैल के आतंक से ग्रस्त हैं।



# तंत्र मंत्र क्या है?

हमने देखा है कि तंत्र मंत्र का अलग अलग तरीके से यूज होते हुए जिसकी वजह से किसी को फायदा होता है तो किसी को नुकसान होता है। पर ये आज तक एक रहस्य है कि तंत्र मंत्र कैसे काम करता है ये आखिर है क्या? विज्ञान भी इस गुत्थी को नहीं सुलझा सका है। चुंकि हम विज्ञान के युग में जी रहे हैं और हमारे सारे काम साइंस की मदद से होते हैं जिससे हम इन तंत्र मंत्र की बातों को ढकोसला मानते हैं और उस पर यकीन करते भी हैं और नहीं भी। इसे आम



तंत्र मंत्र का रहस्य

भाषा में काला जादू भी कहते हैं। ये एक तरह की अलग विधा में उसकी गिनती होती है। इसमें कई तरह के टोटके भी उसमें काउंट होते हैं। जिसकी वजह से इसे अजीब तरह की कियाएँ होती हैं। जिसमें घट में कोई प्रेतबाधा हो या कोई दुश्मन को सफाया करना हो तो इसका इस्तेमाल होता है। ये आज भी एक दृष्ट्य है कि तंत्र मंत्र कैसे काम करता है इसका पता नहीं चल पाया।

विज्ञान आज भी इस गुत्थी को नहीं सुलझा पाया है और इस पर काम कर रहा है। शायद भविष्य में इसका राज पता लग जाए।



# भूतों का शहर

आप कई शहरों में घूमे हैं जिनमें अलग अलग प्रसिद्ध जगह देखी हैं आपने। और वहाँ कई तरह के इंसान भी आपने देखे होगे जो अपने अपने काम धंधे में लगे हैं। पर क्या आपने ऐसा शहर भी देखा है जहाँ भूतों का बसेठा है। जी हाँ ऐसा



एक शहर है जहाँ भूतों का बसेठा है। ये शहर है

स्मानिया के पास स्थित जीनोस शहर जो दिन के समय तो खंडहर की तरह दिखता है पर रात के समय वो शहर जिन्दा हो जाता है। और वहाँ जीवन चलना शुल्क हो जाता है। और फिर जब दिन शुरू हो जाता है जो वो जगह फिर खंडहर में तबदील हो जाती है।

स्मानिया का रहने वाला टोम अपने दोस्त के साथ अपने काम से काट में जा रहा था तभी वहाँ रास्ते में खराब हो जाती है फिर वो रास्ते में उतरता है और रात का वक्त हो चुका था इसलिए वे दोनों कहीं रात स्कने की जगह ढूँढ रहा था तभी वो जीनोस शहर के पास पहुँच जाता है जो रात के वक्त जिन्दा हो चुका था। वे दोनों जब वहाँ पहुँचते हैं तो उन्हें वहाँ सज्जाटा नजर आता है पर बाद में एक घट की खिड़की से लोग उन्हें दिखाई देते हैं। फिर वे एक झार में जाते हैं जहाँ एक बूढ़ा व्यक्ति था। वे उनसे रात में स्कने को कहते हैं तो वो बूढ़ा उन्हें वहाँ रात

को स्फकने देता है पर तभी आधी रात के बाद वे अचानक जग जाते हैं उन्हें चीखने की आवाजे आती है। वे बाहर देखते हैं तो हर तरफ आग लगी थी सब लोग भाग रहे थे पर उन्हें बचने की जगह नहीं मिल रही थी। वे वहाँ से बाहर निकलकर भागते हैं और देखते हैं कि अचानक सब कुछ गायब हो जाता है। औश्र वे दोनों चौंक जाते हैं वे पास के पुलिस स्टेशन में जाकर सब कुछ बताते हैं तो पुलिस वहाँ उनके साथ वहाँ जाकर देखती है तो वहाँ उन्हें खंडहर नजर आती है जिससे वो चौंक जाते हैं। पुलिस इंस्पेक्टर उन्हें बताता है कि तुमने जो देखा वो एक भूतिया घटना थी जो तुमने देखी थी और टोम चौंक जाता है और वो इस सच्ची भूतिया घटना को नहीं भूला सका था।



# क्या जानवर भूतप्रेत को देख सकते हैं?

दुनियाभर के वैज्ञानिक भूतप्रेतों के बारे में  
दिसर्च पर लगे हैं पर वे भूतप्रेत के विश्वास पर  
यकीन नहीं कर सके थे। इंसानों ने दावा तो  
किया है कि उन्होंने ने भूतों को देखा है पर ये  
बात कितनी सच है ये अभी तक पता नहीं लग  
पाया है। पर एक बात जो सामने आई है कि क्या  
जानवरों को भूतप्रेत दिखाई देते हैं? ये एक तथ्य  
है जो

सामने

आया

तब जब



कुतों को मनहूसता से रोते  
देखा और वो किसी चीज  
की तरफ देखकर रो रहा  
था और भौंक भी रहा था।



कुते के दोने को लोग मनहूस मानते हैं और बिल्ली के बारे में भी यही धारणा है वो भी अगर किसी कट रास्ता काट ले तो लोग वो रास्ता बदल देते हैं। बिल्ली भी जब रात में म्याउँ म्याउँ करती है तो कुछ लोगों का मानना है कि ये मनहूस हैं या उसे कोई प्रेतआत्मा दिखाई देती है। भेड़ियों के बारे में भी यही धारणा है कि वो भी प्रेतआत्माओं को देख सकते हैं। ये सब धरणाओं की वजह से लोग इन जानवरों को मनहूस भी मानते हैं। ये बात कितनी सच है ये अभी तक एक दहस्य ही है।



# माया का संसार

ब्रह्मांड, संसार ये शब्द हमने सुने हैं। हम जिस संसार में हैं आखिर वो है क्या आपने ये कभी सोचा है। हम इस संसार में देखते हैं कि लोग पैदा होते हैं, बड़े होते हैं, आगे और पीढ़ी बड़ती है और फिर अंत में मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं तो



अक्षल में ये माया को ये संसार है क्या? यहाँ जब सबकुछ नश्वर है तो यहाँ निर्माण किसलिए होता है

जब यहाँ सब कुछ बनके मिटना है। ये माया का संसार है जिसका मतलब है कि यहाँ जो दिख रहा है वो ही ही नहीं। तो फिर ये सब क्या हैं जो हम देखते हैं। हमारे शास्त्र हमें बताते हैं कि ये माया का संसार जीव की इच्छाओं के अनुसार बना है इसमें। जब जीव, जो भगवान का अंश है, भगवान से विद्रोह करता है तो वो इसी माया के संसार में आ जाता है और जन्म मृत्यु के चक्र में घूमता रहता है बार बार शरीर बदलता रहता है इसका मतलब ये भी है कि जो शरीर हम अपना देखते हैं वो भी हमारा वास्तविक स्वरूप नहीं है। जैसे हम कपड़े बदलते हैं वैसे हमारा शरीर भी बदलता है। यहाँ संसार तो क्या ब्रह्मांड में भी कोई चीज हमेशा नहीं रहती है। उसका अंत होना ही होना है। तो हमारा गंतव्य कुछ और है हम इस संसार में एक मेहमान की तरह हैं यहाँ कुछ भी हमारा नहीं है। यही है माया का संसार।



# क्या कॉमिक्स की कहानियाँ कात्पनिक होती हैं?

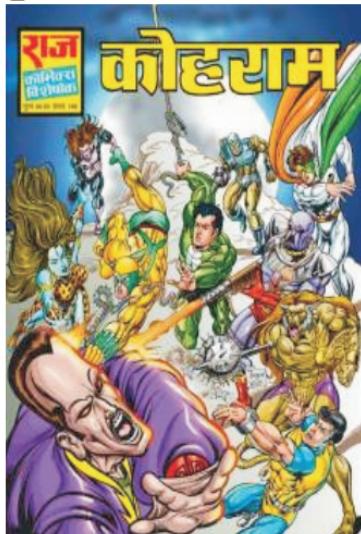
ये टॉपिक वाकई अपने आप में अदभूत है। जीहाँ कॉमिक्स तो हमने खूब पढ़ी होगी। बच्चों को ये कॉमिक्स जो चित्रों से भरपूर होती हैं उन्हें अपनी ओट खूब आर्कषित करती है। हमने कई सुपर हीरो जैसे ब्लैकहोल, हल्क, कैप्टन अमेरिका, बैटमैन, नागराज, सुपरमैन, स्टार लोर्ड, इंकुला, सुपरकंमाडो धुव, ग्रीनलैटन, थोर व वंडर वुमैन आदि कई सुपरहीरो की कॉमिक्स पढ़ी है। जब हम ये कॉमिक्स पढ़ते हैं तो ये कॉमिक्स हमें कत्पना की अलग दुनिया में ले जाती है। हमें एहसास सा होने



लगता है कि काश हमारी दुनिया में भी ऐ ऐसा सुपरहीटो होता तो कितना मजा आता । सुपरहीटो हमारे अंदर एक आशा का संचार करते हैं। कि सत्य की हमेशा जीत होती है। लेकिन हमने कभी सोचा है कि ये कॉमिक्स कहानियाँ क्या वाकई कात्पनिक हैं। अगर हम मल्टीयूनिवर्स की ओरी पर गैर करें तो पृथ्वी कई सारी हैं। हर पृथ्वी पर जिदंगी भी अलग अलग है। एक ही इंसान के कई तरह के उसी जैसे रूप मौजूद होते हैं। हर रूप की अलग अलग इच्छाओं के कारण अलग अलग काम कर रहे होते हैं। तो फिर जब हम कॉमिक्स में किसी कटैकट जैसे अल्ट्रावाइल्ट, हैल बॉय आदि के बारे में सोचते हैं और उनकी स्टोरी बनाते हैं। उनकी अपनी दुनिया होती है जिसमें उनका अपना परिवार व अपने काम होते हैं। और



हमें इस यूनिवर्स के बारे में सबकुछ नहीं मालूम और हमें शास्त्रों से ये भी पता चलता है कि ये अनंत ब्रह्मांड जीव की इच्छाओं के अनुरूप बनाया गया है। तो इस ब्रह्मांड में सबकुछ संभव होना



तय है। तो ऐसा हो सकता कि जो सुपरहीरोज हम कॉमिक्स में पढ़ते हैं जैसे ब्लैकविडो, इलैक्ट्रा, ग्रीनऐरो, परमाणु आदि वो वास्तविक भी हो सकते हैं। और वो वाकई दुनिया की दक्षा करते हों। क्योंकि मल्टीयूनिवर्स की श्योरी के अनुसार सब सुपरहीरोज का अलग अलग संसार भी हो सकता है। वे वहाँ पर कई भयंकर शक्तियाँ वाले विलेन्ज

जैसे किंगलार्ड, डार्कसाइड, थैनोस, हैला, हस्त,  
 मैगिनटो व महामानव आदि से पृथ्वी व ब्रह्मांड की  
 दक्षा करते हों। और हम ये नहीं कह सकते कि  
 ये तो पूरी कात्यनिक  
 बात है क्योंकि इस  
 ब्रह्मांड को हमने  
 नहीं बनाया है। हमें  
 अगर आराम की  
 भिन्न भिन्न प्रकार  
 की सुविधाएँ को  
 बनाते रहते हैं। और  
 जैसी हमारी इच्छा  
 होती है वैसी ही  
 वस्तु हम बना देते  
 हैं। तो भगवान् तो  
 और भी महान् हैं  
 वो तो ब्रह्मांड को  
 रचते हैं और ऐसा ब्रह्मांड जिसके बारे में हमें



एक प्रतिशत भी पता लग जाए तो हमारे होश भी पता नहीं ठिकाने न दहें तो हम ये कह नहीं सकते कि इस ब्रह्मांड में कुछ असंभव है ये हाँ ही नहीं सकता तो वाकई सुपरहीरोज ब्रह्मांड में किसी पैदलल यूनिवर्स में मौजूद हो और उनकी बिल्कुल सटीक कहानी यहीं हम लिखते हों । और इसे हम कल्पना कहते हों अपने इस संसार में । भविष्य में अगर हम पैदलल यूनिवर्स की इस श्योरी को पता लगा सके तो इन सुपरहीरोज को सच में देख सकेंगे ।



# भविष्य का व्यूजपेपर

---

व्यूजपेपर जो हमें दुनियाभर की खबरें देते हैं और जो हमारा ज्ञान वर्धन भी करते हैं। इनसे हमें कई तरह की जानकारियाँ भी मिलती हैं कि विज्ञान के क्षेत्र में कितनी तरक्की हो रही है, शिक्षा के क्षेत्र में क्या नई नई तकनीक आई है, युद्ध क्षेत्र में क्या हो रहा है आदि आदि जानकारियाँ मिलती हैं। पर एक बात जो अखबार में होती है वो सब भूतकाल की खबरें होती हैं। उसमें भविष्य की खबर नहीं होती है और अगर होती भी है तो वो खबर संभावित होती है। पर क्या हो अगर कि आपको भविष्य बताना चाला व्यूजपेपर मिल जाए जिसमें आगे आने वाले टाइम क्या होने वाला है इसकी जानकारी पहले मिल जाए। तो कैसा होगा जिससे सब अपना भविष्य जान जाएंगे और वो अपनी वर्तमान परिस्थितियों में सुधार करके अपने भविष्य

को बदल सकता है। और ऐसा सत में हुआ भी है। ये घटना है इटली की जहाँ जैकब नाम का शख्स रहता था। उसने अपनी दास्तान बताई थी कि पत्नी की मौत के बाद उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और एक दिन वो कब्रिस्तान में अपनी पत्नी की कब्र पर जाता है वहाँ वो बैठा हुआ था। तभी एक दोशनी गिरती है और एक ब्यूजपेपर गिरता है जैकब उस ब्यूजपेपर को देखता



# डार्कटेल्स टाइम्स



हैप्पन के बिले में रहते रवौफनाक भूत

१०

आज होगा दसवां विश्व युद्ध

३८

[www.darktales.com](http://www.darktales.com)

अमेरिका ने नुकसान के बचाव के लिए

टीवी चिस्समें आते हैं केवल रवौफनाक सीरीयल

प्रोफेटर वर्मी ने किया टाइम मर्लीन का अविवाह

दूसरे ग्रह से आ गये हैं परग्रही पृथ्वी पर



राज बालिक्स ने निकाला ५००० पुस्तों का आनंदार मल्टीस्टार कमिक विलेज

एक ऐसा आईना जिसमें अक्स करता है मनमानी

राज बालिक्स ने निकाला ५००० पुस्तों का आनंदार मल्टीस्टार कमिक विलेज

ग्रामीण के परिवर्तों पर दोइके हैं एक भूतल रेलव्हारी



रायाड्ये एमर्जी कैप्सूल भूर्ष मिटीगी २० दिनों की



उत्तर के लिए जानकारी

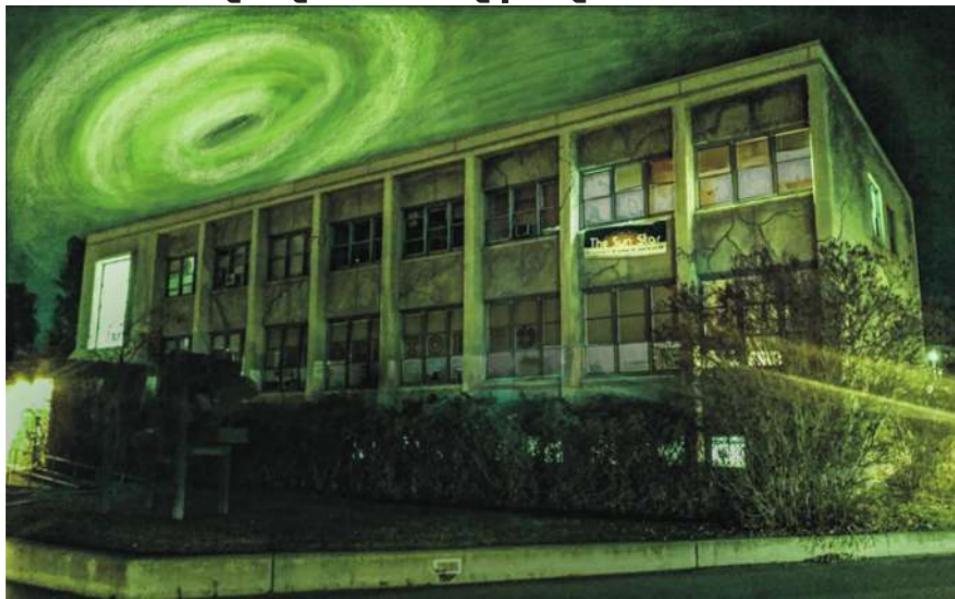
है तो उसमें उसकी डेट दिखती है जो वर्तमान से एक हफ्ते आगे की थी। वो ये देखकर चौंक जाता

है उसे हैदानी होती है। उसमें उसे पता चलता है कि आगे आने वाले टाइम में वहाँ बाढ़ आएगी और उसमें उसे एक लाटटी इनाम का भी पता चलता है जिसमें जैकब के नाम का जिक्र होता है वो ये देखकर हैदान हो जाता है और वो लाटटी का टिकट लेता है और उसका इनाम निकलता है और वो अभीर हो जाता है वो अपने अभीर होने की दास्तान दुनिया को बताता है पर कोई उस पर यकीन नहीं करता है वो उनको ब्यूजपेपर दिखता है पर वो उसे कहीं नहीं मिलता है। तो इससे ये पता चलता है कि कभी कभी भविष्य खुद को बताने हमारे पास आता है जिससे हम अपना वर्तमान को सुधर सकें। वो ब्यूजपेपर कहाँ से आया था ये एक रहस्य ही है।



# भूतिया ऑफिस

ऑफिस जहाँ हम दोज काम करने जाते हैं और काम करके शाम को वापिस आ जाते हैं। पर एक ऑफिस ऐसा भी है जहाँ भूत भी आते हैं। जेनेवा में स्थित ऑफिस में काम करने वाले लोगों को इस चीज का एहसास होता है कि वहाँ कोई है जो उनके काम या तो खलल डालता है या उनका काम ही हो जाता है। वही काम करने वाले



भूतिया ऑफिस जहाँ भूत भी काम करते हैं।

मिस्टर स्कब बताते हैं कि उन्हें एक फाइल पूरी करनी थी और वो काम आठ घण्टे से पहले नहीं होने वाला था पर वो दस मिनट बाद देखता है कि उसकी फाइल किसी ने पूरी कर दी थी वो हैरान था कि उसका काम किसने कर दिया । वो सोचने लगता है कि अगर मेरी फाइल किसी ने लेकर पूरी भी की है तो भी वो इतनी जल्दी पूरी नहीं कर सकता । तो इस फाइल को पूरा किया किसने? वहीं ऑफिस में काम करने वाली एक लेडी लिंडा ब्लेयर बताती है कि वो जब अपने कोबिन में आकर बैठती है तो उन्हें ऑफिस की चीजें अपने आप हिलती हुई दिखाई देती हैं । एक बार उनके ऑफिस की फाइल का काम पूरा किया था पर वो काम पेजस से कुछ देर बाद अपने आप मिट जाता है लिंडा को ये काम दुबारा करना पड़ा था । इन भूतप्रेतों से भरे इस ऑफिस में कई लोगों ने काम करना छोड़ दिया जिससे वो कंपनी घाटे में जा रही थी । रात के वक्त उस

ऑफिस में तरह तरह की आवाजें आती हैं और वहाँ के ड्राल्स भी अपने आप खुलने लगते हैं और उसमें से कागज अपने आप बाहर निकलने लगते हैं। सीट टेबल अपने आप खिसकते रहते हैं। इस ऑफिस का इतिहास पता लगाने की कोशिश की गई तो पता लगा यहाँ 100 साल पहले कुछ तात्रिकों ने ऐसी क्रियाएँ की थीं जिससे वहाँ प्रेत आत्माएँ भटकनी शुरू हो गई थीं जिनका भटकना आज तक जारी है। लोगों ने इस बात गप्प समझा पर बात कुछ भी हो पर यहाँ आत्माओं को कहर जारी है और ऑफिस के मालिक को ऑफिस बदलना पड़ा।



# भूतों का हाइवे

हाइवे हमारी यात्रा सुविधा के लिए होते हैं जिससे हम यात्रा को कम समय में तय कर पाते हैं साथ में हम जाम से भी बच जाते हैं। लेकिन खंडाला में स्थित ये हाइवे सुनसान और सुविधाजनक तो है



इस हाइवे पर भूत दिखते हैं।

पर इस हाइवे पर भूतप्रेतों का दिखना आम बात हो गई है। इस हाइवे पर रात के 12 बजे के बाद जो भी वाहन गुजरते हैं उन्हें प्रेतआत्माएं तरह तरह के रूप बदलकर उनसे मिलते हैं और वहाँ पर

कई जाने जा चुकी हैं। उस हाइवे पर रात में जो गुजरा है वो अपनी जिदंगी का एक न भुलाने वाला हादसा देख के आए हैं। इस हाइवे पर आकर वापस लौटना असंभव हो जाता है उन्हें हाइवे पर भूतों के कहर से गुजरना पड़ता है। इस हाइवे पर सरकार ने रास्ता बंद करवा दिया है वहाँ रात के 12 बजे के बाद अंदर जाना बैन कर दिया गया है। ताकि हादसा होने से बच सकें।



# पटग्रही मेहमान

ये घटना अमेरिका के वेनेजुएला के एक गाँव की है जहाँ एक घट मौजूद है जिसमें एक दंपति अपने एक बेटी लुईस के साथ रहते हैं। एक रात कठीब 10 बजे पटिवार के चार सदस्य उनके दरवाजे पर दस्तक देते हैं। वे उस घट में प्रवेश करते हैं और बताते हैं कि वे लोग रास्ता भटक गये हैं और उन की गाड़ी भी खटाब हो गई है। क्या वे एक रात उनके यहाँ लैक सकते हैं। लुईस की फैमिली ने उनको रात में लैकने दिया। वे लोग डिनर के



## पटग्रही जो बने मेहमान

के लिए बैठे तो वे खाना ज्यादा नहीं खा सके । उन्हें खाना उनके स्वाद ये अजीब लग रहा था । जब रात में लो गये तो दंपति को रात में कुछ आवाज आई उसने उठ के देखा तो मेहमानों के कमरों से आवाज आ रही थीं। वे कुछ बातें कर रहे थे पर उनकी भाषा अलग थी । फिर आवाज आनी बंद हो जाती है । बाद में रात को 3 बजे दंपति देखते हैं कि उनके उपर घर अजीब से दिखने वाले जीव दिखते हैं। परग्रही उनसे कहते हैं कि वे उन्हें अपने ग्रह लेने आए थे । वे इस धरती पर मानवों पर रिसर्च करने आए हैं कि ये ग्रह उनसे कितना एडवांस हैं। ये देख लुईस फैमिली घबरा जाती है वे हैत्य के लिए चिल्लाना शुरू करते हैं तो आसपास के लोग इकट्ठे हो जाते हैं जिससे परग्रही अचानक घबराकर गायब हो जाते हैं। और लुईस फैमिली बाहर सुरक्षित आती है और सबको अपने साथ घटा हुआ किस्सा सुनाती है। कि किस तरह परग्रही उनके घर में

ਮੇਹਮਾਨ ਬਨਕੇ ਆਏ ਥੇ । ਔਰਟ ਤਨਿੰਹੇ ਅਪਨੇ ਗੁਹ ਪਦ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੇ ਲਿਏ ਲੇ ਜਾਨਾ ਚਾਹਤੇ ਥੇ ਔਰਟ ਆਵਾਜ਼ੋ  
ਲੁਨਕਟ ਵੇ ਗਾਧਬ ਹੋ ਗਏ । ਤੋ ਕਥਾ ਏਲਿਯਨ ਕੋ  
ਹਮਾਰੇ ਗੁਹ ਕੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪਤਾ ਲਗ ਚੁਕਾ ਹੈ? ਔਰਟ ਵੇ  
ਹਮਾਰੇ ਬੀਚ ਮੈਂ ਆਕਟ ਹਮੇਂ ਅਪਨੇ ਸਾਥ ਲੇ ਜਾਤੇ ਹਨ।  
ਜੋ ਅਪਹਟਣ ਆਜਤਕ ਹੁਏ ਹਨ ਜਿਨਮੇਂ ਲੋਗ ਰਹਸ਼ਿਯਮ  
ਤਟੀਕੇ ਲੇ ਗਾਧਬ ਹੁਏ ਹਨ ਤਨਿੰਹੇ ਪਦਗਹਿਹਿਆਂ ਨੇ ਗਾਧਬ  
ਕਿਯਾ ਥਾ? ਯੇ ਬਾਤੇ ਆਜ ਭੀ ਏਕ ਰਹਸ਼ਿਯ ਹੈ ਜੋ  
ਭਵਿ਷ਿਆ ਮੈਂ ਜਿਨ ਪਦ ਲੇ ਪਦਾ ਤਠ ਲਕੇਗਾ ।

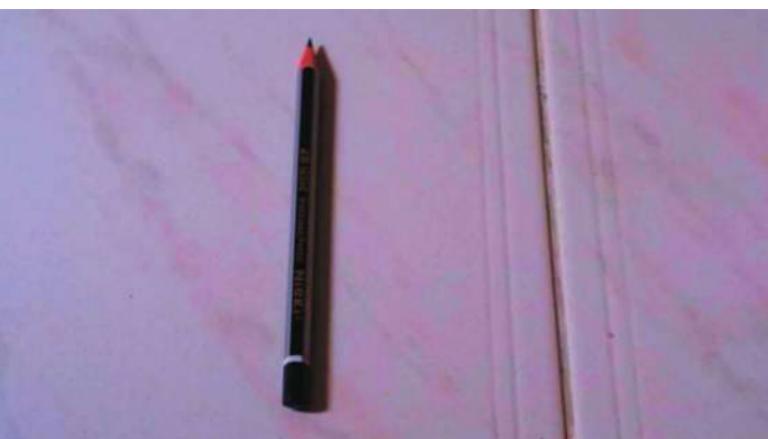


# जिन्दा पेंसिल

टीवी में आपने एक सीरियल में देखा होगा कि एक बच्चे के पास ऐसी पेंसिल होती है जिससे वो जो कुछ भी बनाता है वो जिंदा हो जाती है। पर क्या ऐसा हकीकत में भी संभव है। पर ऐसा सच है ये बात

सन 1858

में सिडनी  
की है जहाँ  
टोनिन नाम  
का एक



बच्चा था जिसके पास रहस्यमयी पेंसिल

ऐसी पेंसिल थी पर ये पेंसिल उसके पास कैसे आई ये उसे पता नहीं थी। पर वो इससे जो चीज सही ढंग से बनाता था वो चीज जिन्दा हो जाती थी पर इसमें एक चीज ये थी कि वो किसी

खतरनाक चीज को जिन्दा नहीं कर पाती थी ।  
क्योंकि एक तो वो वस्तु एकुटे वैसी बनी हो  
अंदर से भी और बाहर से भी । और ऐसा होना  
एक ही डाइंगशीट में संभव नहीं था और दूसरा  
कारण था कि इस पेसिल में ऐसी शक्ति थी कि  
इससे कोई खतरनाक चीज को पैदा नहीं कर  
सकता । इस जादूई पेसिल से केवल सामान्य  
चीजों को पैदा किया जा सकता है । आब में ये  
पेसिल धीरे धीरे घिस कर कम होने लगती है।  
और वो पेसिल पूरी तरह खत्म हो जाती है। और  
फिर वैसी पेसिल दुबारा कहीं नहीं मिली । ये  
पेसिल रोनिन को कैसे मिली थी ये एक रहस्य ही  
बना रह गया । इससे एक बात साबित हो रही है  
कि कुछ पारलौकिक चीजें हमारे यूनिवर्स में  
विद्यमान रहती हैं जिनका अकस्मात ही हमें पता  
लगता है।



# सर कटी चुडैल

दोमामिया में स्थित डीनेको कॉस्टल में एक सर कटी चुडैल का आतंक छाया हुआ है। उस कॉस्टल में आने का मतलब केवल अपनी मौत को दावत देना है। पहले ये भूतिया किला ट्रॉयस्ट के लिए



डीनेको कॉस्टल जहाँ सर कटी चुडैल घूमती है।

खुला था यहाँ पर लोग  
इस किले को देखने  
आते थे। पर एक दिन  
इस किले में किसी ने

सर कटी एक औरत का

भूत दिखाई देनी की बात कही गई। इस बात को पहले इगनोट किया गया पर बाद में ये सर कटी चुडैल के आतंक की बात फिर फैलनी शुरू हो गई। और एक दिन जैन्यू नामक एक आदमी की लाश ने उस कॉस्टल में सनसनी फेला दी। फिर वहाँ पर सीसी टीवी कैमरे फिट किए गये। और वहाँ

दिन रात उस पर नजर रखी गई और फिर एक दिन सब हैरान हो गये कि सीसी टीवी कैमरे में सर कटी चुड़ैल भटकती हुई कैद हो गई। वो दरवाजा खोलती हुई तो कभी दरवाजे के आर पार निकलती हुई दिखाई दी। ये दृश्य देखकर सब गार्ड हैरान हो गये। वो चुड़ैल किसलिए भटक रही थी इसकी जाँच की गई कि तो पता लगा ये



सीसी टीवी में कैद  
भटकती चुड़ैल

चुड़ैल का भूत असल में इस कॉस्टल में रहने वाली एक मेड का भूत है जिसका 120 साल पहले कल कर दिया गया था। वो चुड़ैल अपने कटे सर को लेकर भटकती रहती है और इस चुड़ैल का आतंक आज भी जारी है।



# हार्टेड टेलिफोन

टेलिफोन जिनसे हम बात करते हैं और हम किसी का हालचाल जान लेते हैं। और अब तो जैसे जैसे तकनीक विकसित हो रही है वैसे वैसे टेलिफोन की जगह मोबाइल ने ले ली है। और



श्रुतिया टेलिफोन जो आप बज उठता है।

अब ये पुराने टेलिफोन केवल म्यूजियम में ही दिखते हैं ये दिखने के लिए कि पहले ऐसे फोन हुआ करते थे। पर एक टेलिफोन ऐसा भी है जो

असल में भूतिया है। ये इंग्लैंड के एक म्यूजियम में रखा हुआ है। इस टेलिफोन में कभी भी घंटी बज उठती है जबकि अस टेलिफोन का किसी वायर से कोई कनैक्शन नहीं है। फिर भी ये टेलिफोन बज उठता है। जब रात में एक दिन म्यूजियम के गार्ड ने इस टेलिफोन की घंटी सुनी और वो हैटान हो गया कि इस टेलिफोन का तो कहीं किसी तार से कोई कनैक्शन नहीं था तो फिर टेलिफोन पर किंग कैसे बज उठी? गार्ड फोन किसीव किया तो उस पर एक लेडी की आवाज आई। उसने कहा कि अपनी फाइल ले जाइये। गार्ड ने कहा कौन सी फाइल? वो बोली आपकी सन 1954 की वैना कंपनी की फाइल। गार्ड हैटान होकर कहता है कि वैना कंपनी कब की बंद हो चुकी है। और ये सन 2012 है न कि 1954। उधर से आवाज आई कि ये क्या बकवास कर रहे हो अपनी फाइल दिसीव करो। गार्ड फोन रख देता है और बाद में ये घटना सबको बता देता है तो सब

उसकी बात पर यक़ीन नहीं करते वे उसे रात को उसका वहम बातकर टाल देते हैं। दो दिन बाद वो फोन फिर बज उठता है। दूसरा गार्ड फोन हैरानी से फोन उठाता है तो उसे आवाज आई कि जल्दी फायर बिग्रेड भेजो वैना कंपनी में आग लग गई है। गार्ड हैरान होता है वैना कंपनी तो कब की खत्म हो चुकी है ये फोन बिना कनैकटिविटी के कैसे चल रहा है। तभी फोन कट जाता है ये घटना फिर अगले दिन बताई गई तो सब हैरान हो गये। ये टेलिफोन वैना कंपनी में हुआ करता था फिर ये म्यूजियम में आ गया है। पर ये फोन अभी बज रहा है। इस पर उस कंपनी के लोगों का फोन आता है। उस कंपनी के लोग आग में जल मरे थे। पर उस कंपनी के इस भूतहा फोन पर वो सब प्रेतआत्माओं की कॉल आज तक आती है। जो एक हैरान कर देने वाली घटना है।



# एक्सोरिजिम

एक्सोरिजिम ये एक प्रकार की झाड फूंक की एक प्रक्रिया है जिसमें किसी इंसान के अंदर घुसी प्रेतआत्मा को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया प्रेतग्रस्त व्यक्ति बच भी सकता है या फिर मर भी



सकता है। दुनिया में भूत प्रेतों के किस्मे हर देश में सुनाई देते हैं। इसमें कई लोगों के शरीर में भूतप्रेतों का प्रवेश हो जाता है। इससे वो प्रेतग्रस्त व्यक्ति तरह तरह की हरकतें करके अपने आप को

व दूसरों को परेयान करता है। विभिन्न धर्मों में  
ये एक्सोटिकम की प्रक्रिया को अलग अलग तरीके  
से होती है। चर्च हो या मदिर या मस्जिद इसमें



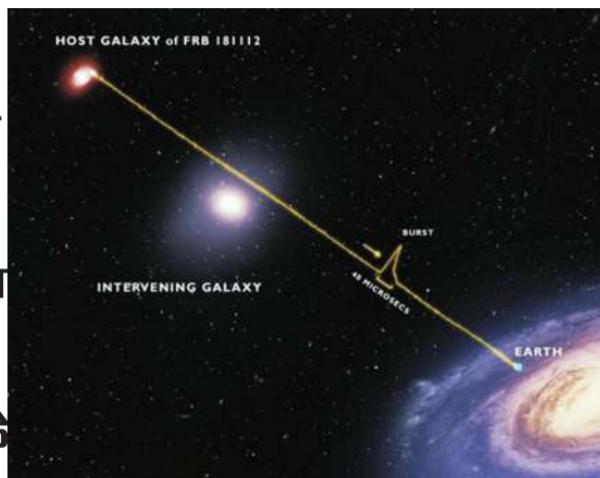
हर जगह ये प्रक्रिया को भिन्न तरीकों से की  
जाती है। ये किग्या कोई आसान नहीं है इसमें  
कई खतरे भी होते हैं। इसमें मरने का खतरा  
भी होता है। एक्सोटिकम पर साइंस भी यकीन  
नहीं करती है पूरी तरह से। पर ये एक  
पारलौकिक प्रक्रिया है। जो वाकई में सामने है कि  
मरने के बाद भी जीवआत्मा भटकती भी हैं और  
मरने के बाद भी जीवन खत्म नहीं होता है। केवल

शरीर मरता है परं जीवआत्मा अमर है। और वो  
अपनी इच्छाओं के अनुसार आगे की यात्रा शुरू  
करती है। एक्सोटिक प्रक्रिया भी एक पारलौकिक  
प्रक्रिया ही है जो आजतक जारी है।



# ब्रह्मांड से आए वो सिग्नल किसके थे ?

इंसान जो पृथ्वी पर वास करता है पर जब हम उपर आसमान की तरफ देखता है तो सोचता है कि क्या वो ब्रह्मांड में अकेला है उसके अलावा ब्रह्मांड में कोई दूसरा है तो कहाँ है? क्या किसी और ग्रह पर भी जीवन है? इसी जिज्ञासा ने मानव को प्रेरित किया है अंतरिक्ष की जिज्ञासों को जानने के लिए और उसने अंतरिक्ष में देडियो तरंगें भेजी। ताकि उसका कहीं कोई जवाब आ जाए फिर जब सिग्नल अंतरिक्ष में कहीं घूम रहे थे तो एक दिन पृथ्वी पर से वहाँ के वैज्ञानिकों को अपने ब्रह्मांड से पृथ्वी पर आए रहस्यग्रन्थी सिग्नल भेजे गये सिग्नल से कुछ उत्तर मिलने शुरू हो गये



ब्रह्मांड से पृथ्वी पर आए रहस्यग्रन्थी सिग्नल

तो इस घटना ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया था । वे इन सिग्नल को समझने की कोशिश करने लगे वे सिग्नल हैं क्या? ये सिग्नल भेजे किसने थे ? ये बात सोचने वाली थी । वैज्ञानिक अभी इस पर विचार कर ही रहे थे कि उन्हें तभी उन्हें एक और दूसरा सिग्नल आना शुरू हो जाता है।

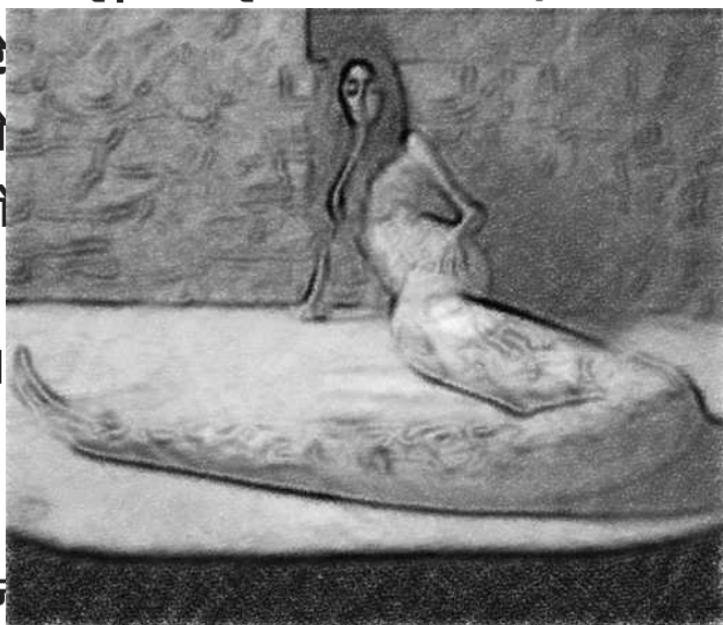
1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
1	1	2	2	3	12	1	3	1	1	1	1
1	E	24	16	1	2	1	3	1	1	1	1
Q	1	1	1	1	2	1	3	1	1	1	1
U	3	1	1	1	1	1	3	1	1	1	1
2	J	1	31	3	111	1	1	1	1	1	1
5	1	14	1	1	113	2	1	1	1	1	1
1	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
1	4	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
4	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	1

### अजीब से सिग्नल

वैज्ञानिक ये सब देखकर चौंक जाते हैं। वे इन सिग्नलस को डीकोड करने की कोशिश करने लगते हैं। पर वे यह पता नहीं लगा पा रहे थे कि ये सिग्नल हैं क्या ? आखिर किसी एलियन ने ये सिग्नल भेजे हैं आखिर इसका मतलब क्या है। ये सिग्नल आज भी एक रहस्य है। क्या वाकई किसी एलियन सभ्यता ने पृथ्वी से भेजे गये सिग्नल को दिसीव किया था?

# इच्छाधारी नागों का अस्तित्व

इस दुनिया में हम कई तरह के सॉप देखे हैं और उनकी प्रजाति के बारे में भी सुना होगा। हमारे भारत में ही जहानाले सर्पों की चार किलम की प्रजाति पाई जाती है। पर हम सॉपों की एक प्रजाति के बारे में सुना है जो इच्छाधारी नागों के नाम से जानी जाती है। इनके बारे में कहते हैं कि जब सॉप अपने सौ साल की उम्र को पूरी कर लेता है तो उसमें इच्छाधारी शक्ति जागत हो जाती है। इस शक्ति से वो कोई भी रूप धारण कर सकता है। और वो

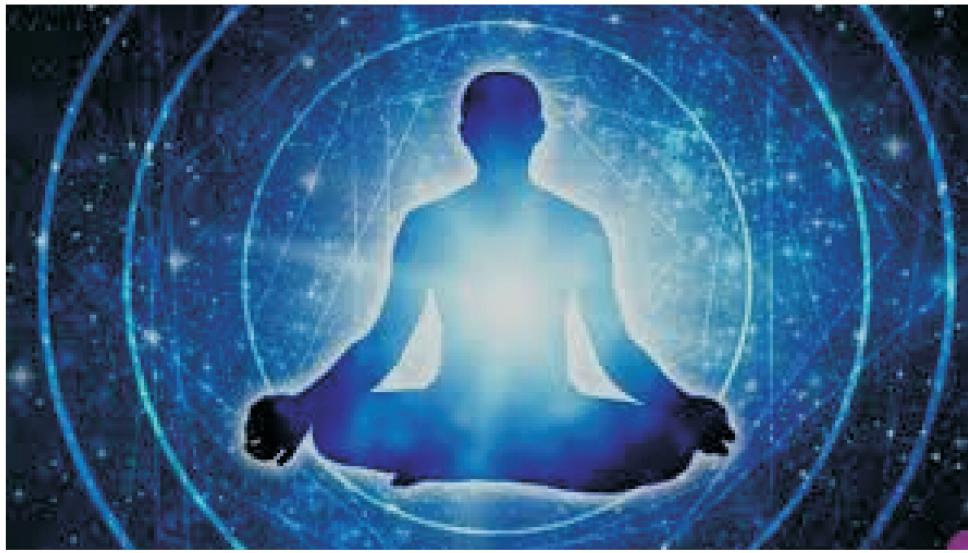


किसी के मन की बात जान सकते हैं। क्या वाकई इन इच्छाधारी नागों का अस्तित्व है? ये वाकई एक सवाल है जिसका जवाब आज तक नहीं मिल पाया है। हम जो अलग अलग तरह की रहस्यमय घटनाओं के बारे में सुनते हैं उनमें ये इच्छाधारी नाग भी एक रहस्यमयी घटनाएँ हैं। इन इच्छाधारी नागों का रहस्य आज भी एक रहस्य है जो शायद भविष्य में पता लग जाए ।



# हम वास्तव में क्या हैं?

हम जिस दुनिया में जी रहे हैं और इस वक्त हम एन पॉकेट बुक्स पढ़ रहे हैं क्या आपने सोचा है कि क्या ये दुनिया वाकई सच है जो हमें दिखाई देती है? अगर ये सच है तो फिर भी यहाँ हर चीज नश्वर है यानी कि जिसका नाश होना ही



होना है। तो फिर जब ये संसार , ब्रह्मांड सब नश्वर है तो हम इतनी मेहनत से संसार को सजाते क्यों हैं? और क्या ये ही हमारी असली

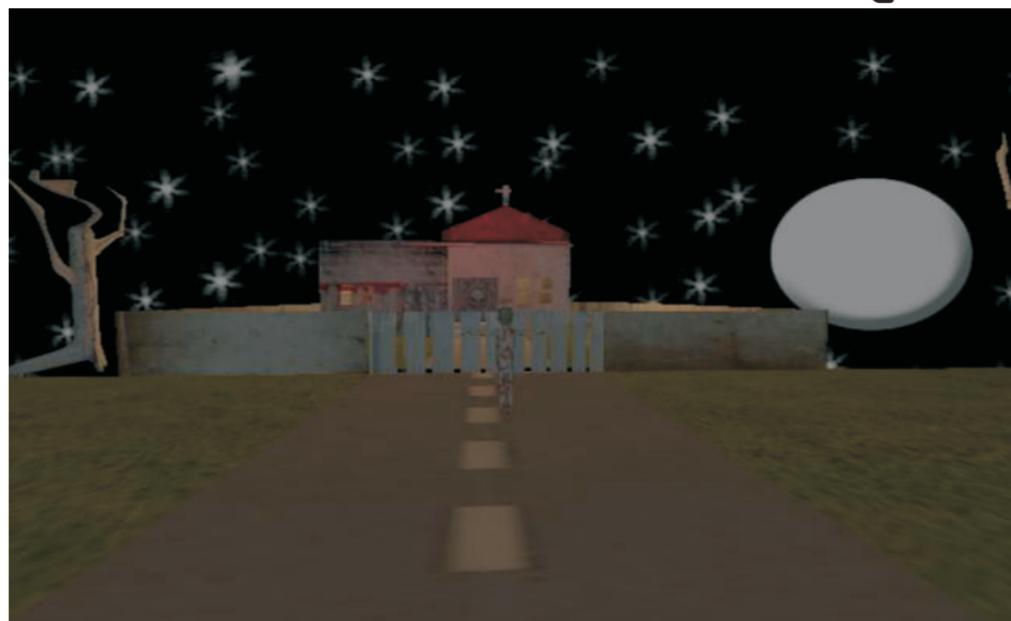
दुनिया है जिसमें हम जीते हैं, मरते हैं, हमें  
तकलीफ भी होती है। जो हम नहीं चाहते वो हमें  
मिलता है। तो फिर ये सब क्या है? हम क्या  
वाकई ये शरीर हैं जो मांस व हड्डियों से बना  
है? क्या ये हमारी दिमाल पहचान है? हमारे शास्त्र  
हमें इस बात से नकारते हैं। वो बताते हैं कि हम  
अमर हैं। हम कभी नहीं मरते। हमारी असली  
पहचान ये शरीर नहीं बल्कि शरीर में स्थित आत्मा  
है। जो हमें जीवन देती है। इस शरीर को चलाती  
है। वो आत्मा हम ही हैं। जी हाँ हम ही वो अमर  
आत्मा है जो भगवान का अमर अंश है। जो न  
काटा जा सकता है, न जलाया जा सकता है, न  
भिगोया जा सकता है और न सुखाया जा सकता  
है। ये पूरी तरह से अमर हैं। इस संसार की कोई  
वस्तु उसका स्पर्श तक नहीं कर सकती। ये  
आत्मा पूरी तरह से पवित्र हैं, शुद्ध हैं। उसमें कोई  
बुद्धाई नहीं है। वो आत्मा यानी हम कभी खत्म  
नहीं होते। आत्मा जो केवल शरीर बदलती है जो

जर्जर हो चुका होता है या जिसका समय पूरा हो चुका होता है। यानी आत्मा अर्थात् हम केवल शरीर बदलते हैं और हमारी इच्छा अनुसार, जो हमारी मृत्यु के समय होती है, एक नया शरीर धारण कर लेती है। जो वास्तविकता में हम नहीं मर रहे केवल हमारा शरीर मर रहा है। हम तो अमर हैं। वैज्ञानिक आत्मा के स्वरूप में विश्वास नहीं करते पर ये उसे किसी तरीके से ठुकरा नहीं पाते। आत्मा है और यही हमारा वास्तविक स्वरूप है।



# घर से आती रहस्यमय आवाजें

मैनहैनटन के वैनसिक एटिया में बसा एक बंगला  
जिसमें गैबार्ड फैमिली जो नई नई रहने आई थी।  
और जिसे 2 महीने बाद छोड़ना पड़ा था। भला  
ऐसा क्या हुआ था जो ये घर गबार्ड फैमिली से ये  
बात पता की गई। तो उन्होंने बताया कि जब वो  
इस घर में आए थे तो सब ठीक था फिर कुछ



भूतिया घर से आती रहस्यमयी आवाजें

दिन बाद वहाँ हमें कुछ रहस्यमयी आवाजें आने  
 लगीं। वो हैरान हो गये थे। ये आवाजें दिन  
 रात हर समय आ रहीं थीं। जैसे उस घट में  
 कोई और भी रह रहा था। कभी लेडी की तो  
 कभी बच्चों तो कभी आदमी की आवाज आती थी।  
 ये आवाजों से गबार्ड फैमिली दहशत में आ गई  
 थी। उन रहस्यमयी आवाजों ने दिन रात की नींद  
 उड़ा दी थी। इस घट में कोई भूतिया साया था  
 जिसकी वजह से यहाँ भूतिया आवाजें आती हैं।  
 इस घट में पहले एक फैमिली रहती थी। जो  
 खत्म हो गई थी एक एक्सीडेंट में। उनकी  
 प्रेतआत्माएँ अभी भी इस घट में भटक रहीं थीं।  
 और आज भी इस घट में उन रहस्यमयी आवाजों  
 का आना जारी है जिसकी वजह से उस घट में  
 कोई नहीं रहने आता।



# ब्रह्मांड में ग्रहों व नक्षत्रों की दिल दहला देने वाली भंयकर आवाजें

धनि जो कंपन से उत्पन्न होती है और हम धरती पर तरह तरह की धनियाँ सुनते रहते हैं। कुछ धनियाँ हमारे कानों को अच्छी लगती हैं तो कुछ अच्छी नहीं लगती। कुछ धनियाँ सुनकर हमारा मन प्रसन्न हो जाता है तो कुछ धनियाँ सुनकर हम दहल जाते हैं क्योंकि वो धनियाँ बड़ी भयानक होती हैं। ये धनि तो हमें पृथ्वी पर सुनाई देती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी से बाहर अंतरिक्ष में अन्य ग्रहों व नक्षत्रों की भी धनि होती है और ये धनि कोई मामूली धनि नहीं होती है। ये धनियाँ इस हद तक होती हैं कि इन धनियों के कंपन से हमारी पृथ्वी तक ब्लास्ट से उड़ सकती है। यहाँ हमारे वैज्ञानिकों ने ऐसे कुछ ग्रहों व नक्षत्रों की आवाज रिकार्ड की जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया। जबकि ये आवाज पूरी तरह से

स्पष्ट नहीं थी तब उस आवाज में इतनी भयनाकता ही ऐसी थी कि वैज्ञानिक ये सोचने लगे कि अगर इनके पास जाकर भयानक आवाज सुने तो किसी का भी दिल दहल जाएगा । अलग अलग ग्रहों से

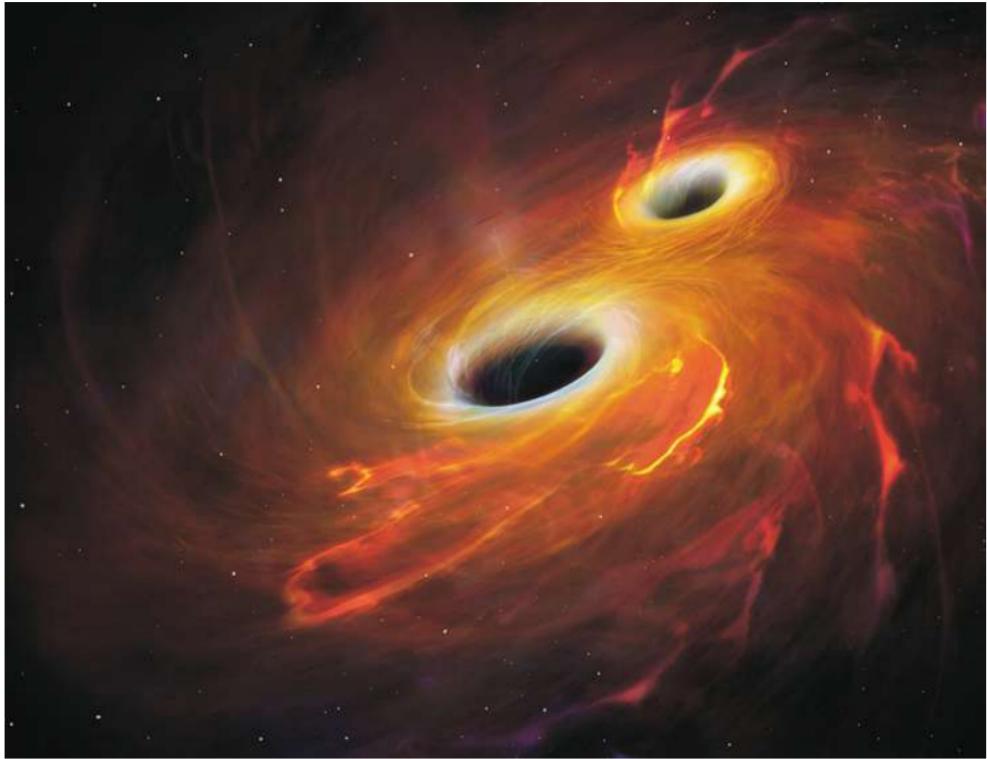


### ग्रहों से निकलती अवाजें

उनकी गैसों व वायुमंडल के अंदर होती हलचल से भयकर आवाजें ही हिला देती हैं। हम पृथ्वी के वायुमंडल की आवाजें ही हमें हिला देती हैं। दूसरे



ग्रह जो पृथ्वी से हजारों लाखों गुना बड़े हैं उनकी आवाजें कितनी भयानक होगी। बृहस्पति ग्रह के 400 किमी प्रति घंटे के तूफान से आती आवजों ने ही घटती के वैज्ञानिकों को हिला दिया । ये तूफान ही तीन तीन घटतियों के बराबर थे । इसके अलावा ब्रह्मांड के महाभंग ब्लैकहोल

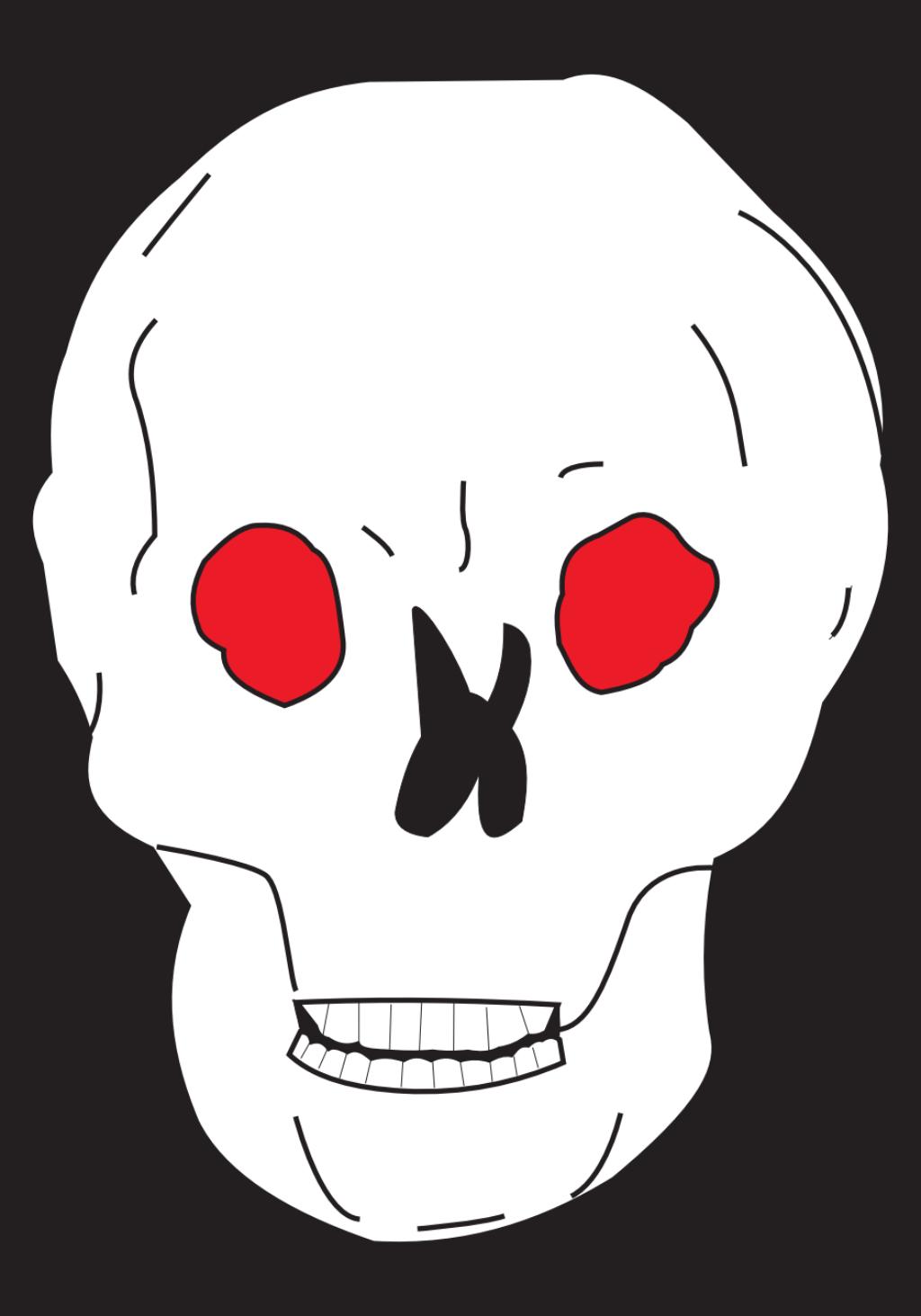


ब्लैकहोल की सबसे भयंकर दिल धहलाती आवजें

जिसका गुणत्वाकर्षण इतना तेज है कि उससे ग्रह

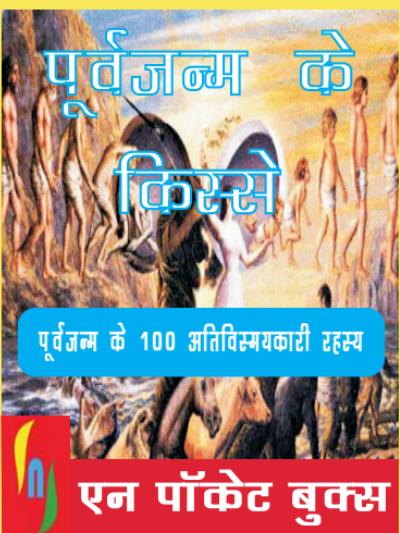
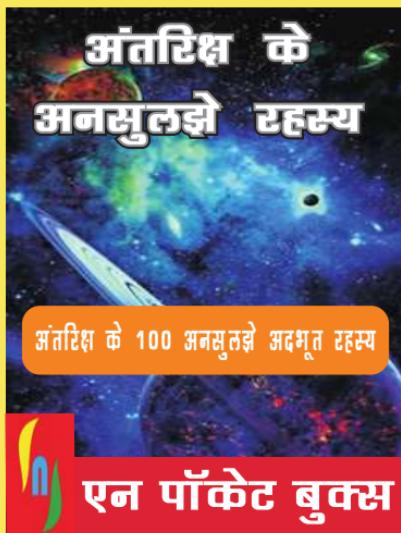
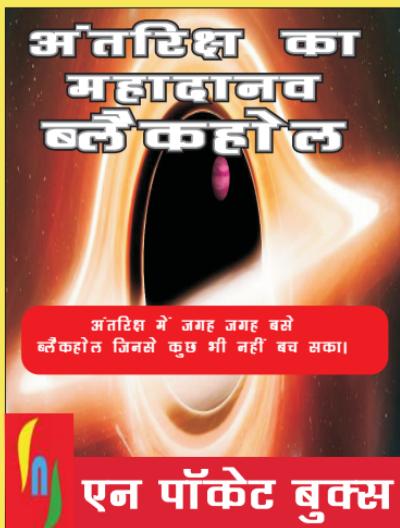
तो क्या प्रकाश भी बचकर नहीं निकल सकता । उस ब्रह्मांड के महादानव ब्लैकहोल की रिकार्ड आवाज ने घटती के वैज्ञानिकों को हिला कर रख दिया । उस भयानक आवाज के सामने हॉर्ट फिल्मों के भूतप्रेतों की आवाजें भी कुछ नहीं थीं । तो इससे एक बात तो पता चली गई कि ब्रह्मांड में भी घनियाँ मौजूद हैं और ऐसी घनियाँ जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते । बड़े बड़े नक्षत्रों के महाविस्फोट की भयानक आवाजें जो ब्रह्मांड को दहलाकर रख देती हैं। आगे भविष्य में हमें और भी ऐसी ब्रह्मांड की घनियों के बारे में पता चलेगा ।





# एन पॉकेट बुक्स

## की अन्य पुस्तके



आज के वैज्ञानिक युग में भूत प्रेत जैसी घटनाओं पर विश्वास करना मुश्किल है क्योंकि इनके कोई गोस प्रमाण नहीं मिले हैं। दूसरी तरफ यूफओ और एलियन के आने की भी खबर मिलती रहती हैं। इनको कई लोग देखने का भी दावा करते हैं। इसके अलावा और भी कई तरह की दृष्टिमयी घटनाएँ घटी हैं। भूत प्रेत और एलियन सच में हैं या नहीं? क्या वाकई इनका अस्तित्व होता है? ये सब हमें इस पुस्तक को पढ़ने के बाद पता चलेगा। इस पुस्तक में आप रोचक दृष्टिमयी किस्से पढ़ें।

युवा लेखक युवराज वर्मा को लेखन में लगि 10 साल की उम्र से आ गई थी। अपनी प्रारंभिक शिक्षा अंग्रेजी से प्राप्त करने के बाद लंदन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय स्नातक पटीक्षा पास की थे। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में उच्च पद पर शीर्ष अधिकारी भी रहे। उन्हें पर्यावरण, भूत प्रेत, परम्परा, अंतरिक्ष, खगोल विज्ञान, दृष्टि रोमांच, लोकप्रिय विज्ञान जैसे विषयों में अध्ययन व लेखन में विशेष रुचि रही है।



मूल्य : 250/-



एन  
पॉकेट बुक्स